दैनिक
# भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-10 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 29 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

**भीम प्रज्ञा अलर्ट**

'जीवन में असली ताकत इस बात में नहीं कि आप कितनी बार जीतते हैं, बल्कि इस बात में है कि हारकर भी आप अपने इरादों को कितनी मजबूती से फिर खड़ा करते हैं।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

# राजस्थान को नहीं मिला 3000 करोड़ का फंड:

## पंचायत चुनाव में देरी का असर, कई प्रोजेक्ट अटके

भीम प्रज्ञा न्यूज

**जयपुर।** केंद्रीय वित्त आयोग ने राजस्थान को मिलने वाला करीब 3 हजार करोड़ का पिछले डेढ़ साल का फंड रोक रखा है। इस फंड का इस्तेमाल स्वच्छ भारत मिशन जैसी केंद्र से जुड़ी योजनाओं को पूरा करने में होता है। फंड रिलीज नहीं होने से गांवों में पेयजल आपूर्ति, शौचालय निर्माण जैसे कई विकास कार्य रुके हुए हैं। यहां तक कि करीब सवा लाख पंच और 11 हजार से ज्यादा सरपंचों को एक साल से मानदेय तक नहीं मिला है। मामला मुख्यमंत्री के स्तर पर पहुंचने के बाद पंचायती राज विभाग सक्रिय हुआ है। विभाग के सचिव जोगाराम ने वित्त आयोग को चिट्ठी लिखकर राज्य के हिस्से की राशि जारी करने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, फंड रोकने की वजह पंचायत चुनाव समय पर नहीं करवाना है। 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुदान की पहली किस्त वित्तीय वर्ष 2024-25 की जून-जुलाई में और दूसरी किस्त नंवबर में आनी थी। अभी तक यह राशि राज्य सरकार को नहीं मिली है।

## सवा लाख से ज्यादा पंच-सरपंचों का मानदेय रुका

### क्या चुनाव नहीं करवा पाने के चलते रुका बजट?

विभागीय सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा फंड रोके जाने के पीछे पंचायती राज चुनाव नहीं करवा पाने को एक बड़ा कारण माना जा रहा है। केंद्रीय वित्त आयोग की स्पष्ट गाइड लाइंस है कि जो राज्य समय पर पंचायत चुनाव नहीं कराते हैं, उन्हें वह फंड जारी नहीं करेगा। आयोग का यह मानना है कि चुने हुए जनप्रतिनिधि ही ग्राम पंचायत की धुरी हैं। ऐसे में जब चुनाव ही नहीं हुए तो बजट क्यों जारी करें।

यहां सवाल उठता है कि आखिर राजस्थान में पंचायत चुनाव क्यों नहीं करवाए जा रहे? सरकार का कहना है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को निकायवार ओबीसी वर्ग के आंकड़े जुटाने हैं। आरक्षण तय होने के बाद वार्डों की लॉटरी निकालनी है। आयोग ने पहले सितंबर तक सर्वे पूरा करने का भरोसा दिया था, जिसके आधार पर दिसंबर में चुनाव प्रस्तावित थे। सरकार का यह भी कहना है कि स्ट्रक्चर कार्यक्रम घोषित किए जाने के कारण यह संभव नहीं हो पाया।

### जनवरी में ही हो गया था कार्यकाल खत्म

राजस्थान की 11,310 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। इनमें से अधिकतर पंचायतों में सरकार ने मौजूदा सरपंचों को प्रशासक के रूप में कार्यरत रखने के आदेश जारी किए हैं। राज्य में 1,09,228 पंच, 11,320 सरपंच जनता से चुने गए प्रतिनिधि हैं। सरकार ने इन्हें प्रशासक लगाया है, लेकिन एक साल से इन्हें मानदेय नहीं मिल रहा है।

प्रदेश में करीब 7 हजार सरपंचों का कार्यकाल जनवरी-फरवरी और मार्च में खत्म हो गया था। शेष ग्राम पंचायतों का कार्यकाल सितंबर-अक्टूबर में खत्म हो गया था। कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव हो जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। त्रिस्तरीय व्यवस्था के तहत सरपंच 5 साल के लिए चुने जाते हैं। जानकारों का कहना है सरकार 6 महीने पहले सरपंचों को हटा सकती है, मगर चुनाव उसी समय करने चाहिए।

### फंड नहीं मिलने से क्या नुकसान?

- सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई व्यवस्था नहीं
- नए बायो गैस एवं जैविक खाद प्लांट प्रबंधन कार्य धीमा
- ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्य बाधित
- सफाई कर्मियों के नए उपकरण खरीद पर रोक
- पार्कों और खेल मैदान की चारदीवारी और फुटपाथ निर्माण पर ब्रेक
- पंचायती राज संस्थाओं के कार्यालयों में इंटरनेट की सुविधा बाधित
- पंचायती राज के अधीन विद्यालयों में कक्षा-कक्षों का निर्माण प्रभावित
- पेयजल टंकियों के निर्माण का कार्य धीमा हुआ
- पेयजल पाइप लाइन की स्थापना एवं रख-रखाव पर असर

## राजस्थान में देर रात 26 आरपीएस के ट्रांसफरः

पुराने आदेशों के 5 तबादले रद्द, गृह विभाग ने जारी किए आदेश

जयपुर

राजस्थान सरकार के गृह (ग्रुप-1) विभाग की ओर से शुक्रवार देर रात एक आदेश जारी किया जिसमें राजस्थान पुलिस सेवा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (DYSP) स्तर के अधिकारियों के व्यापक स्तर पर ट्रांसफर किए गए। आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को नए पदस्थापन पर तुरंत प्रभाव से कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। इस लिस्ट में जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, झालावाड़, अजमेर, करौली, दौसा, अलवर, डूंगरपुर सहित कई जिलों और रेंजों में ट्रांसफर शामिल हैं। कई अधिकारियों को महिला अपराध अनुसंधान सैल, लीव रिजर्व, अपराध एवं सतर्कता, डिस्कॉम और प्रोटोकॉल जैसी विशेष इकाइयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

### इलाज के दौरान रील बनाने वाले डॉक्टर को हटायाः

## हॉस्पिटल पहुंचकर रोने लगे बच्चे और बड़े; CMHO ने कहा- शिकायतें मिल रही थी

भीम प्रज्ञा न्यूज

**उदयपुर।** उदयपुर के इलाज के दौरान रील बनाने वाले डॉक्टर अशोक शर्मा को एपीओ कर दिया गया है। वे बड़गांव सैटेलाइट हॉस्पिटल के प्रभारी थे। चिकित्सा विभाग की संयुक्त शासन सचिव निशा मीणा ने इस संबंध में आदेश जारी किए। अशोक शर्मा को जयपुर मुख्यालय में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। एपीओ होने के बाद डॉक्टर अशोक शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 4 पोस्ट किए। पहले वीडियो में हॉस्पिटल से हटाने वाले आदेश का जिक्र करते हुए डॉक्टर ने कहा- मुझे क्यों और किस गलती से हटाया पता नहीं। वहीं, दूसरे वीडियो में शुक्रवार को वे उसी हॉस्पिटल में इलाज करते हुए मरीजों को बोल रहे हैं कि 'कुछ मरीजों का इलाज बाकी रह गया था, इसलिए आया हूं। मेरा ऑर्डर आ गया है, अब जा रहा हूं। मैं सोमवार तक यहां हूं, इलाज करा लो।

### रोने लगी बच्ची और उसकी मां

वहीं, दो अन्य वीडियो शुक्रवार शाम को करीब 4 बजे पोस्ट किए। इसमें डॉक्टर के निलंबन के कारण बच्ची और उसकी मां रो रही है। डॉक्टर उसे दिलासा देते दिख रहे हैं। बच्ची डॉक्टर को रोते हुए हाथ जोड़कर बोल रही है कि आप मत जाओ। इस पर वे खुद भी रोते हुए जबाव देते हैं कि मैं ?मिलूंगा। छोड़कर नहीं जा रहा। वहीं, दूसरे वीडियो में एक व्यक्ति रो रहा है। डॉक्टर अशोक शर्मा भावुक होकर उस मरीज से बोल रहे हैं कि हम आपसे जुड़ते हैं। ये उसका ही खेल है। पीछे पड़ने से कोई फायदा नहीं। गरीबों का नुकसान हो जाएगा। मुझे जाने का दुख नहीं है। मेरी तनख्वाह तो वही है और बाद में प्रमोशन मिल जाएगा। बस ऐसे मरीज देखने को नहीं मिलेंगे।

**डॉक्टर ने कहा-** नेता, एमएलए पावरफुल लोग हैं। हम कहीं और जगह बैठेंगे। नौकरी से इस्तीफा देंगे। ये अफसर हैं न, बड़े अधिकारी गुमराह करते हैं। नेताओं को तो पता भी नहीं पड़ता। मेरी आने की हिम्मत नहीं हो रही थी। लोगों के लिए आया हूं।

## 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' अभियान के 6वें चरण का जिला स्तरीय वृहद कार्यक्रम सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

**रमेशचंद्र।** कोटपूतली-बहरोड, 28 नवंबर - भारत सरकार द्वारा 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक चलाए जा रहे अन क्लेम फाइनेंशियल एसेट्स व जमाओं के निस्तारण एवं जागरूकता अभियान के तहत् 6वें चरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम शुक्रवार को राजधानी टूरिस्ट मोटल कोटपूतली में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। एलडीएम मोहन लाल मीणा ने बताया कि जिले के सभी बैंकों में लंबित 117532 खातों एवं लगभग 25.23 करोड़ रुपये की अन-क्लेम राशि में से आज आयोजित समारोह में 2472 लाभार्थियों को कुल 6.78 करोड़ रुपये के भुगतान के प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर से वीरेन्द्र चारण, एल.एल.बी.सी. प्रतिनिधि एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक बी.एल. मीना (उप महाप्रबंधक), पंजाब नेशनल बैंक के उप मंडल प्रमुख नरेश गढ़वाल, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अजित खरविंदा, राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मोहन लाल कुलदीप मौजूद रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि ने अन-क्लेम खातों से राशि प्राप्त करने की संपूर्ण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और आरबीआई द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में सरल भाषा में विस्तृत जानकारी दी। सभी बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे वंचित लाभार्थियों की पहचान में बैंकर्स की मदद करें ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार वापस दिलाने में देरी न हो।

## सिकन्दर राठौड़ बने स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, वार्ड न. 67 के अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार।** स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ बीकानेर के शहर जिला अध्यक्ष हसन अली गौरी ने शुक्रवार को प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए वार्ड नंबर 67 के अध्यक्ष के पद पर सिकन्दर राठौड़ को नियुक्त किया है। गौरी ने इस अवसर पर कहा कि राठौड़ की यह नियुक्ति न केवल संगठन की गतिशीलता को बढ़ाएगी, बल्कि वार्ड नंबर 67 में प्रकोष्ठ की गतिविधियों और पहुंच को भी नई मज़बूती प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिकन्दर राठौड़ अपने संगठनात्मक कौशल और जनसेवा के प्रति समर्पण से वार्ड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उनकी नियुक्ति के बाद, स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं और वार्ड निवासियों ने सिकन्दर राठौड़ को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा।

## विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत उपखंड अधिकारी सुमन सोनल ने बीएलओ को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

**सुमेर मीणा।** विधानसभा क्षेत्र के छापोली बुथ संख्या 193 के बीएलओ हेतराम जी गुर्जर के द्वारा किया गया बेहतरीन कार्य को देखते हुए उदयपुरवाटी उपखंड अधिकारी सुमन जी सोनल के द्वारा बीएलओ को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया इस सम्मानित से अन्य बीएलओ में भी जागरूकता पैदा हुई और उत्साहवर्धक हुएं और साथ ही बीएलओ ने आम जन से अनुरोध किया है कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान में आम जन से भी सहायता मिल रही है लेकिन थोड़ी बहुत और जागरूक बनने की जरूरत है ताकि आसानी से इस अभियान को सफल बना सकें इस अवसर पर नायब तहसीलदार गिरधारी लाल, पीओ छापोली विशाल गुप्ता, मास्टर ट्रेनर नरेंद्र जालोपिया, सुपरवाइजर कैलाश चंद मीणा, गिरदावर भागीरथ मल, पटवारी कजोड़ मल मीणा,ग्राम सेवक पुर्ण मल, सहित समस्त तकनीकी स्टाफ एवं सहयोगी स्टाफ आदि लोग मौजूद थे!

## प्रथम बीकानेर आगमन पर महापुरुषों को किया नमनः शहर व देहात अध्यक्षों ने दी श्रद्धांजलि

### अम्बेडकर सर्किल से लेकर डूडी के अंतिम संस्कार स्थल तक अर्पित किए पुष्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार।** बीकानेर आगमन के बाद, बीकानेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल और बीकानेर देहात कांग्रेस अध्यक्ष विशनाराम सियाग ने आज बीकानेर में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों अध्यक्षों ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर किसान और दलित नेताओं की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उनका स्मरण किया। दोनों अध्यक्षों ने कई महत्वपूर्ण स्थलों पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर को अम्बेडकर सर्किल पर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को गांधी पार्क (सर्किट हाउस) स्थित प्रतिमा पर, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को कचहरी स्थित मूर्ति स्थल पर और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को जेएनवी कॉलोनी स्थित मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके अतिरिक्त, दोनों अध्यक्षों ने हाल ही में दिवंगत हुए किसान नेता स्वर्गीय रामेश्वर जी डूडी के अंतिम संस्कार स्थल (उदयरामसर बाईपास) पर विशेष रूप से श्रद्धांजलि दी। सैन्य सम्मान देते हुए मेजर पूर्ण सिंह सर्किल और शहीद चंद्र चौधरी सर्किल पर भी पुष्प अर्पित किए गए। दलित एवं जननेताओं में पन्नालाल बारुपाल मूर्ति स्थल, भीमसेन चौधरी सर्किल, और गौकुल सर्किल पर नमन किया गया, जबकि स्थानीय जननेताओं में जेठाराम डूडी मूर्ति (जाट धर्मशाला) और जवाहर पार्क में श्रद्धांजलि दी गई।

### प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान देहात जिलाध्यक्ष विशनाराम सियाग और शहर जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल के साथ कई प्रमुख कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल, आनंद सिंह सोढा, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवर कुकणा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गोदारा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शांति बेनीवाल, मनोज जनागल, आजम अली, भीखाराम मेघवाल, निरमा मेघवाल, और कैलाश कड़ेला शामिल थे।

## फुले को केंद्र सरकार द्वारा भारत रत्न देना चाहिए : प्रदीप सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

**अरुण कुमार।** गुरुकृपा शिक्षण संस्थान में महिला शिक्षा के प्रेरणता महात्मा ज्योतिबा फुले की 135वीं पुण्यतिथि मनाई गई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पार्षद प्रदीप कुमार सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार को महात्मा ज्योतिबा फुले एवं इनकी धर्म पत्नी सावित्री बाई फुले को भारत रत्न देना चाहिए। 18वीं शताब्दी में महिला शिक्षा की अलग जगाना रात को सूरज की रोशनी पाने के समान था। वर्तमान में दिखाई दे रही शिक्षा के सूरज फुले दम्पति है। मुख्य वक्ता भाजपा के पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष इंद्राज सैनी कायस्थपुरा ने बताया कि फुले जैसे युग पुरूष दुनिया में बहुत कम मिलते हैं। जो कमजोर और पिछड़े लोगों में सामाजिक बदलाव करवाते हैं। अध्यक्षता गुरुकृपा शिक्षण संस्थान के निदेशक राजेश कुमार सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि रामलाल सैनी, पेंशनर समाज के जिला मंत्री चन्द्र प्रकाश धूपिया, महावीर भारती थे। पुण्यतिथि कार्यक्रम में अनिल कुमार सैनी, पवन कुमार सैनी, रवि सैनी, इमरान, जतिन सैनी, बिंदु शर्मा, संजू सैनी, पिंकेश बोयल, नीलम सैनी, कोमल सैनी आदि उपस्थित रहे। संचालन संजय सिंगोदिया ने किया।

## कबड्डी नेशनल खिलाड़ी हर्षवर्धन का खेलो इंडिया में चयन, बुहाना में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

कस्बे के होनहार खिलाड़ी हर्षवर्धन पुत्र गिरवर सिंह का चयन खेलो इंडिया के पाँचवें संस्करण में कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। हर्षवर्धन की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। खेलो इंडिया 2025 का आयोजन राजस्थान के विभिन्न शहरों–जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और जोधपुर–में हो रहा है। इसका भव्य उद्घाटन 24 नवंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया गया।

प्रतियोगिताओं का सीधा प्रसारण दूरदर्शन के डी.डी. स्पोर्ट्स चैनल पर किया जा रहा है।हर्षवर्धन जेजेटी यूनिवर्सिटी, चुड़ला (झुंझुनू) का छात्र है और राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी में अपना लोहा मनवा चुका है। वह इससे पहले भी राजस्थान के लिए मेडल जीत चुका है, जिससे राज्य व क्षेत्र का मान बढ़ा है। उनके चयन की खबर मिलते ही परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, खेलप्रेमियों एवं ग्रामीणों ने हर्षवर्धन को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।हर्षवर्धन की इस उपलब्धि से न केवल बुहाना बल्कि पूरे जिले में गर्व की भावना है।

# मित्र नहीं हो सकता चीन भारत को सावधान रहना होगा

मनोज कुमार अग्रवाल

**अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे।लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।**

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पैमा यांगजोम घोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मयार्दाओं का भी खुला उल्लंघन करती है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साचित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत को आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए इनवैलिड पासपोर्ट का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। पूरे मामले की शुरूआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को इनवैलिड बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में अरुणाचल प्रदेश, भारत लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है। चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी

विस्तारवादी नीतियों अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं। दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनि ित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है। दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में जांगनान कहता है और बार-बार दक्षिण तिब्बत का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वाताकार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दरें तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है। दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है। पर चीन हर बार नाम बदलने, गलत दावे करने, मैप प्रकाशित करने और अब व्यक्तिगत नागरिकों को परेशान करने जैसी हरकतों से तनाव बढ़ाने की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन चीन को समझना होगा कि इस प्रकार की घटिया हरकत से उसको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे।लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

## सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

### मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

### सच का घूंट कड़वा सही... पर यही इंसान और समाज को जिंदा रखता है?

आज के समय में सच बोलना और सच सुनना–दोनों ही दुर्लभ होते जा रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि 'सच का घूंट बहुत कड़वा होता है, अब तो बोलने और सुनने वाले दोनों ही कम रह गए।' यह पंक्ति केवल एक कथन नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चरित्र का दर्पण है, जिसमें हमारी कमजोरियाँ, हमारी हिचक और हमारी बदलती संवेदनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। जब समाज में सच बोलने वाले कम हो जाएँ और सच सुनने वाले उससे भी कम, तब समझ लीजिए कि कहीं न कहीं हमारे भीतर साहस और संवेदनशीलता दोनों क्षीण हो रहे हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

सच बोलना आसान नहीं होता। सच अक्सर चुभता है, चोट देता है, और हमारे भीतर छिपे अहंकार, भ्रम और दिखावे की परतें उधेड़ कर रख देता है। यही कारण है कि लोग मीठे झूठ को सच की कटुता पर वरीयता देते हैं। झूठ भले भ्रमित करे पर सुकून देता है, जबकि सच भले रास्ता दिखाए पर बेचैन भी करता है। आज परिवारों में, दफ्तरों में, राजनीति में, समाज में–हर जगह लोग सच से बचने की कोशिश करते दिखते हैं। क्योंकि सच सुनना आत्मावलोकन की मांग करता है और आत्मावलोकन का अर्थ है अपने दोषों से सामना करना। यह सामना असहज करने वाला होता है, इसलिए लोग उससे दूर भागते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि समाज की भी बड़ी विफलता है। जब समाज सच बोलने वालों को ताने, कटाक्ष या बहिष्कार देता है, तो धीरे-धीरे सच कहने वाले लोग मौन हो जाते हैं। एक सत्यवक्ता व्यक्ति बार-बार उपहास और विरोध झेलते हुए अंततः निराश हो जाता है और सोचने लगता है– 'सच कहना किसके लिए और क्यों?' यह चुप्पी समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा है। क्योंकि जहाँ सच मर जाता है, वहाँ झूठ व्यवस्था बन जाता है। जहाँ लोग कड़वी सच्चाई से बचने लगते हैं, वहाँ सजावट, दिखावा और भ्रम ही नीति का आधार बन जाते हैं। आज की पीढ़ी भी इस कड़वे सच का शिकार है। वे सच सुनना चाहती तो हैं, पर जब सच उनके आराम या आदतों या सुविधा पर चोट करता है तो वे असहज हो उठते हैं। यही कारण है कि रिश्तों में संवाद घटता जा रहा है, दोस्ती केवल दिखावे की रह गई है, और लोग सोशल मीडिया पर अपनी मनगढंत छवि चमकाने में मशगूल हैं। सच्चाई से अधिक महत्वपूर्ण 'इमेज' बन गई है। हर कोई खुद को सही और दूसरों को गलत साबित करने में उलझा है। सच सुनने का सामर्थ्य, आत्म सुधार की प्रवृत्ति और अपने दोषों की पहचान–ये सभी गुण क्षीण होते दिख रहे हैं।

**लेकिन प्रश्न यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है?**

दरअसल सच सुनने के लिए जिस परिपक्वता, धैर्य और विनम्रता की आवश्यकता होती है, वह धीरे-धीरे कम होती जा रही है। लोगों के भीतर संवेदनाएँ नाजुक हो गई हैं, आलोचना की क्षमता कमजोर हो गई है, और मन इतना नर्म पड़ गया है कि थोड़ी सी असहमति भी तूफान बन जाती है। लोग कम सहनशील हो गए हैं, जबकि सच सबसे पहले धैर्य और सहनशीलता की परीक्षा लेता है। सच वही सुन सकता है, जिसके भीतर आत्मस्वीकृति की क्षमता हो, और सच वही बोल सकता है, जिसके भीतर निर्मलता और साहस हो। यही कारण है कि आज समाज में झूठे आश्वासन, चापलूसी और मीठी-मीठी बातें खूब बिक रही हैं। कोई भी यह स्वीकार नहीं करना चाहता कि गलतियाँ उससे भी हो सकती हैं। परिणामस्वरूप लोग अपने-अपने भ्रमों में जी रहे हैं और धीरे-धीरे सत्य से दूरी बढ़ाते जा रहे हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। क्योंकि जहाँ सच नहीं होता वहाँ न्याय नहीं होता, और जहाँ न्याय नहीं होता वहां विश्वास टूट जाता है। समाज सत्य पर नहीं, विश्वास पर चलता है–और विश्वास केवल सच की जमीन पर ही पनप सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम सच बोलने और सच सुनने की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। यह तभी संभव है जब हम स्वयं से शुरुआत करें। यदि हम सच बोलेंगे–बिना कटुता के, बिना अहंकार के और बिना चोट पहुँचाए–तो यह समाज के भीतर एक नई जागरूकता को जन्म देगा।

# फिलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण

दिलीप कुमार पाठक

फिलिस्तीनी लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फिलिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाजा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फिलिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आ ान करता है। गाजा में पिछले वर्षों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाका अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है, और नाजुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का हृदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है ' गाजा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं '

10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, ICRC ने 20 बंधकों को इजराइली अधिकारियों और 1,808 फिलिस्तीनी बंदियों को गाजा और पि मी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1,718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और ICRC ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फिलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फिलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फिलिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फिलिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सजा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की माँग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है।

फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाजा में 52,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आ ान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फिलिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे।

पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा प ी और पि मी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फिलिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती है। UNRWA 663 से ज्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमजोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है। यह अपने द्वारा संचालित 58 मान्यता प्राप्त शरणार्थी शिविरों में अपने बुनियादी ढाँचे में निरंतर सुधार कर रही है। लगभग 30,000 कर्मचारियों, जिनमें से स्वयं फिलिस्तीनी शरणार्थी हैं, के साथ यह अल्पकालिक मानवीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों, जैसे कि लाखों फिलिस्तीनियों को चल रहे संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने, दोनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह बेहद जरूरी है कि इस युद्धविराम समझौते का पालन किया जाए। हमें स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता देखने की जरूरत है, जिसमें सभी पक्ष गाजा में नागरिकों, सहायताकर्मियों और चिकित्सा सुविधाओं की सुरक्षा सुनि ित करें, जिससे फिलिस्तीन में भी खुशियो की सुबह हो '

(लेखक पत्रकार हैं)

# मासूम चेहरों के पीछे छिपा आतंकवाद, क्रूरता और विध्वंस

डॉ. अंशुल उपाध्याय

आतंकवाद जाति और मजहब के नाम पर गहरा धब्बा हैं। जो लोग भी इस कृत्य में शामिल होते है उनकी जीवन प्रत्याशा अपने आप ही कम जाती हैं। एक ओर जहां आतंकी नेटवर्क को चलाने के लिए बालकों के दिमाग में जहर और नफरत भरकर उनको कम उम्र में ही इस काम में धकेल दिया जाता है। वही दूसरी और युवाओं को रुपए और उनके परिवार का पोषण का जूठा वादा करके आतंकी बनने के लिए घसीट लिया जाता है।

**अव्वल दर्जे की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का नतीजा होते हैं आतंकी**

बदलते परिवेश में मनोवैज्ञानिक तरीके से युवक और युवतियों का धीरे-धीरे ब्रेनवाश करके 15 से 16 वर्ष की आयु तक उन्हें एक ट्रेंड और क्रूर आतंकी बना दिया जाता है। फिर ये मासूम एक ऐसे व्यक्ति बन जाते है जिसका खुद का दिमाग चलना ही बंद हो जाता है। और जो भी उन्हें आदेश या टारगेट दिए जाते हैं वे अपना दिमाग बिना चलाए आंख मूंद कर उन टारगेटों को पूरा करने के लिए निकल जाते हैं। फिर चाहे उन्हें सुसाइड बंबर बनकर अपने ही शरीर के चीथड़े ही क्यों ना उडाने पड़े। आतंकवादियों को जरा भी इस बात का इल्म नहीं होता कि उन्होंने उनके इस काम से कितने मासूमो को मारा है ।

इतनी क्रूरता आखिर किस लिए सिर्फ? सरकार को दिखाने के लिए या जनता को डराने के लिए? या फिर अपने नाकाम मानसून को पूरा करने के लिए? इस पर मैं बस इतना कहूंगी कि ये घटनाएं सिर्फ एक क्रूर मनुष्य के दिमाग से जन्म लेती है और विचलित, ब्रेन लॉक मनुष्य के द्वारा अंजाम तक पहुंचाई जाती हैं। जिनका मकसद सिर्फ समाज में आतंकवाद डर को फैलाना होता है।

**कश्मीर की आड़ में अपने खूनी मंसूबों को अंजाम देते हैं आतंकी**

आतंकवादी ऐसे लक्ष्य विहीन लोग होते है जो,कश्मीर की आड़ में कश्मीर को ही खोखला कर रहे है। कश्मीर में रहने वाला शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसने आतंक के इस डरावने चेहरे का सामान न किया हो। पाकिस्तान मैं बैठे कुछ लोग अगर कश्मीर की आजादी की बात कर रहे है तो इसमें कोई भी दो मत नहीं है कि जितना वह आतंक और नरसंहार फैला रहे है उसके बाद उनसे शांति और करुणा की बात करना बेफिजूल ही है ।

ये न केवल अपने खूनी मंसूबों को ही अंजाम दे रहे हैं। बल्कि हथियारों का निर्माण और उनकी तस्करी करने वालों को भी सीधा फायदा पहुंचा रहे हैं। हथियारों की तस्करी करने वाले ये लोग तो अमीर देशो में बैठे हुए हैं। और आतंकवादी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता हैं मिडिल क्लास और निम्न तबगे के लोगों का। जबकि इन आतंकियों के जो हुक्मरान होते हैं वह खुद अपने बच्चों और परिवार को तो लग्जरी लाइफ देते हैं और आम जन को बली चढ़ाने के लिए आतंकवाद की आग में झोंक देते हैं।

**दिल्ली में विस्फोट के पीछे का काला सच**

वर्तमान घटना क्रम की बात करे तो, दिल्ली लाल किले के पास हुए जोरदार कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने करीब 30-40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। पुलिस इस बात की आशंका जता रही हैं। कि इस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है।सूत्रों के मुताबिक आतंकी ने विस्फोट को और खतरनाक बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा दूसरे पदार्थों का भी इस्तेमाल भी किया होगा। जिसकी जांच अभी चल रही है। इन्हीं केमिकल पदार्थों के द्वारा ही धमाका काफी जोरदार हुआ था और इसकी गूंज काफी दूर तक सुनाई दी थी। मार्च 2020 में गिरफ्तार अलीपुर महिला सुधार गृह में बंद परवीन जो मौलाना मसूद अजहर की बहन, है और लश्कर - ए -तैयबा की एक हैंडलर भी है से पूछ ताछ में पता चला है कि वह खुद जैश की महिला शाखा की प्रमुख सईदा अजहर के निदेर्शों पर काम करती थी। परवीन कथित तौर पर आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन भर्ती का काम संभालती थी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखती थी है।

आज आतंकी सिर्फ पहाड़ों में छिपे बंदूकधारी नहीं रह गए है, बल्कि यहां तो यूनिवर्सिटी में पढने वाले डॉक्टर, इंजीनियर और टेक-सेवी नौजवानो को भी आतंकी बनाया जा रहा हैं। भारत के भीतर व्हाइट कॉलर टेरर का ऐसा नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मेडिकल पेशे की आड़ में देश को अस्थिर करने की साजिश रच रहा था।

**घटना के बाद परिवार द्वारा शव का बहिष्कार**

फिदायीन आतंकी डॉ. उमर नबी जिसके इस विस्फोट में टुकड़े टुकड़े हो गए थे, उसके शव के कई टुकड़े मोर्चरी में रखे हुए हैं। डीएनए से उसके शव की पहचान भी हो गई है। फिर भी उमर का शव लेने के लिए अभी किसी ने भी दावा नहीं किया है। ये वही डॉ. उमर है जो पहले विस्फोटक से लदी कार लेकर दिल्ली के वीआईपी इलाकों में घूमता रहा और बाद में इसने इस भयानक विस्फोट को अंजाम दिया। उमर की उम्र 43 वर्ष ही थी और वह अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़ा हुआ था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके परिवार से लगातार पूछताछ कर रही हैं। पर विचार करने वाली बात यही है की, ऐसे नौजवान जो आतंक के हत्थे चढ़ जाते है अपने पीछे अपने पूरे परिवार को जीवन भर के लिए बदनामी और सामाजिक बहिष्कार का हिस्सा बना जाते है।

*(लेखिका फॉर्मर यू.जी.सी. सीनियर रिसर्च फैलो (रक्षा एवं स्त्राताजिक अध्ययन), दिल्ली रह चुकी हैं।)*

# फतेहाबाद के पंचायत भवन में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन

### जिला स्तरीय गीता महोत्सव के प्रथम दिन पूर्व विधायक दुड़ाराम होंगे मुख्यातिथि

### हवन यज्ञ व गीता पूजन के साथ होगा जिला स्तरीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

### विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रहेगी प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

**रजत विजय रंगा ।** उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी गीता संदेश को जन जन तक पहुंचाने के लिए 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक सुबह 10 बजे से स्थानीय पंचायत भवन में जिला स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हवन यज्ञ एवं गीता पूजन से इस महोत्सव की विधिवत शुरुआत होगी। इसको लेकर तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। सभी विभाग अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को लेकर संजीदगी से काम कर रहे हैं। तीनों दिन अलग-अलग समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों होंगे, जिनमें स्थानीय कलाकारों व स्कूली बच्चों द्वारा गीता के संदेश पर आधारित प्रस्तुतियां दी जाएंगी। यह गीता जयंती महोत्सव कर्तव्य पालन, भाईचारा एवं समरसता का संदेश देगा। उपायुक्त ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय महोत्सव के प्रथम दिन 29 नवंबर को सुबह 9 बजे कार्यक्रम की शुरूआत हवन यज्ञ एवं गीता पूजन के साथ होगी। कार्यक्रम में फतेहाबाद के पूर्व विधायक चौधरी दुड़ाराम मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। मुख्यातिथि द्वारा इसी दिन सुबह 10 बजे विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया जाएगा। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अगले दिन यानी 30 नवंबर को सुबह 10 बजे गीता सेमिनार एवं मैजिक शो का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस दिन विभिन्न वक्ताओं द्वारा गीता सेमिनार पर संबोधन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसी तरह एक दिसंबर को शहर फतेहाबाद में नगर शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसका शुभारंभ सिरसा लोकसभा क्षेत्र की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल करेंगी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा विशिष्ट अतिथि होंगे। इसी दिन श्लोकोच्चारण भी किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे एक साथ गीता के श्लोकों का उच्चारण करेंगे। इसी दिन सायं 5 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पारितोषिक वितरण समारोह में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

उपायुक्त ने कहा कि श्रीमद भगवद गीता न केवल भारत का आध्यात्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह जीवन के हर पहलू के लिए गहन मार्गदर्शन प्रदान करता है। गीता का सार हम सबके लिए बड़ा महत्वपूर्ण है। गीता हमें जीने का ढंग सिखाती है। गीता जयंती उत्सव उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा का माध्यम होगा जो गीता के ज्ञान से अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने हेतु अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। शहर की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की बैठक भी ली गई है। इस महोत्सव में शहर की सामाजिक व धार्मिक संस्थाएं पूर्व की भांति इस बार भी पूरी भक्ति भावना से अपनी सहभागिता करेंगी। इस बार गीता जयंती महोत्सव में धार्मिक सद्भाव का संदेश देगा। सभी जिलावासी इस गीता जयंती महोत्सव में बढ़चढ़ कर भाग लें और गीता के श्लोकों को आत्मसात करें, क्योंकि श्रीमद भगवद गीता के श्लोक हमें कर्तव्य पालन, आत्मसंयम, और निष्काम कर्म की शिक्षा देते हैं।



### एडीसी अनुराग ढालिया व एसडीएम राजेश कुमार ने गीता महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

एडीसी अनुराग ढालिया व एसडीएम राजेश कुमार ने गीता महोत्सव के आयोजन को लेकर पंचायत भवन का दौरा किया और तैयारियों का जायजा लिया। पंचायत भवन परिसर में 29 नवंबर से एक दिसंबर तक जिला स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन होगा। इस अवसर पर एडीसी अनुराग ढालिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गीता महोत्सव को भव्य व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए। सभी वर्ग के लोगों को गीता महोत्सव में शामिल किया जाए। उन्होंने नगर परिषद को निर्देश दिए कि परिसर की सफाई व्यवस्था दुरूस्त की जाए।

#### जिला स्तरीय गीता महोत्सव में स्टॉल लगाने वाले विभाग:-

जिला स्तरीय गीता महोत्सव स्थल पर जिला रेडक्रॉस सोसायटी, स्वास्थ्य विभाग, बिजली निगम, जनस्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, बागवानी विभाग, आयुष, पशुपालन, चुनाव कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मत्स्य विभाग, जिला कल्याण व समाज कल्याण, जिला उद्योग केंद्र, सूक्ष्म व लघु उद्योग केंद्र, खादी ग्रामोद्योग, अग्रणी बैंक, हैफेड, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कृषि, क्रिड, जिओ गीता, अक्षय ऊर्जा, एनआरएलएम, खेल विभाग, रोजगार विभाग, राजस्व, विकास एवं पंचायत, आरटीए विभाग, श्रम विभाग, पुलिस व यातायात, ड्रग विभाग सहित सामाजिक संस्थाए अंजली माता सेवा सदन, स्वामी सदानंद प्रणामी गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट, स्वामी निर्दोष सेवा ट्रस्ट, आरोग्य भारती, गुरुद्वारा सिंह सभा, विश्व हिंदू परिषद, ब्रह्मकुमारी आश्रम, बजरंग दल, अखंड भारत सेवा दल की लगभग 38 स्टॉल लगाकर अपने-अपने विभागों की जन कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी देंगे।

#### एक ही स्थान पर सभी योजनाओं की मिलेगी जानकारी:-

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उपनिदेशक अमित पंवार ने बताया कि महोत्सव के दौरान 29 नवंबर से लेकर 1 दिसंबर तक विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जाएंगी, जिसमें एक ही स्थान पर सरकार की सभी योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी। यहीं नहीं आयोजन स्थल पर विभिन्न स्वयं सहायता समूह भी अपने उत्पादों के साथ मौजूद रहेंगे, जहां पर बेहतरीन उत्पाद मिलेंगे।

## श्री श्याम सेवा समिति सिंघाना का सराहनीय सहयोग: श्री श्याम मानव सेवा संस्थान बुहाना को मिला ऑफिस सेटअप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना के नए परिसर के सुचारू संचालन हेतु श्री श्याम सेवा समिति, सिंघाना ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। समिति के पदाधिकारी संस्थान पहुंचे, जहां उन्होंने सेवा-व्यवस्थाओं और अनुशासन की सराहना करते हुए आवश्यक कार्यालय सामग्री भेंट की। समिति द्वारा संस्थान को 1 काउंटर टेबल, 2 ऑफिस चेयर, 1 प्रिंटर (श्वश्चह्यशद्व 3210) व 4 प्लास्टिक विज़िटर चेयर प्रदान की गईं। संस्थान प्रबंधन ने इसे मात्र सामग्री सहयोग नहीं, बल्कि मानव सेवा के प्रति समिति की संवेदनशीलता व समर्पण का प्रतीक बताया। प्रबंधन का कहना है कि इससे संस्थान के प्रशासनिक कार्य और अधिक सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकेंगे। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी विक्रम, पंकज बारी, दीवान, सुभाष, कृष्ण, कपिल, रविंद्र, सचिन व गुलशन उपस्थित रहे। सभी ने अपने कर-कमलों से संस्थान को सामग्री भेंट कर सेवा भावना का परिचय दिया। समिति इससे पूर्व भी भोजन सामग्री उपलब्ध कराकर सहयोग दे चुकी है। पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी वे मानव सेवा और कल्याण के कार्यों में संस्थान के साथ जुड़े रहेंगे। संस्थान परिवार ने समिति के सभी सदस्य?ों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।



## सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत-की नियुक्ति हरियाणा के लिए गौरवशाली क्षण- डॉ सुधीर रंगा चैयरमेन

### हरियाणा के युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणा स्रोत रहें हैं जस्टिस सूर्यकांत- डॉ सुधीर रंगा, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झज्जर/नई दिल्ली।

**रजत विजय रंगा ।** आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट के राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट डॉ सुधीर रंगा ने सीजेआई जस्टिस सुर्य कांत के शपथग्रहण समारोह के बाद कहा कि सीबीआई जस्टिस सूर्यकांत हरियाणा के हिसार की ग्रामीण पृष्ठभूमि से उठकर देश के शिखर न्याय प्रणाली व्यवस्था के मुखिया बने जो पूरे राष्ट्र के साथ साथ हरियाणा के लिए गौरवशाली क्षण है, डॉ सुधीर रंगा जो स्वयं सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया नई दिल्ली में एडवोकेट है तथा दलित समाज की पैरवी कर हमेशा से हरियाणा के हितों के लिए लड़े है। उन्होंने कहा कि सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत का सफर एक वकील के प्रतिष्ठित व्यवसाय से हुआ है परंतु उन्होंने जो मेहनत की है वो सभी के लिए एक प्रेरणा बनकर आई है खास तौर पर गरीब परिवार से आए उन युवा पीढ़ी के वकीलों के लिए जिनके परिवार से कोई वकील सदस्य पहले से इस व्यवसाय में न रहा हो। विदित रहे सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के परिवार से कोई वकील नहीं था उसके बावजूद उनकी उड़ान एक अलग ही ऊंचाई को छूने का लक्ष्य लेकर निकलीं थी जो उन्होंने हासिल भी कर ली।

## नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्षों ने नोखा विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी से लिया आशीर्वाद



भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** बीकानेर कांग्रेस संगठन में हाल ही में हुए फेरबदल के बाद, नवनियुक्त शहर एवं देहात कांग्रेस अध्यक्षों ने आज नोखा विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह मुलाकात संगठन को मजबूत करने और स्वर्गीय रामेश्वर डूडी की विरासत को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। देहात कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग और शहर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल ने सुशीला डूडी से मुलाकात कर संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान, सुशीला डूडी ने दोनों अध्यक्षों को बधाई दी और उन्हें स्वर्गीय रामेश्वर डूडी के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने की प्रेरणा दी। इस महत्वपूर्ण मुलाकात के समय, दोनों अध्यक्षों के साथ संगठन के कई प्रमुख पदाधिकारी और नेतागण मौजूद रहे। इनमें जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष शशिकला राठौड़, देहात महिला कांग्रेस अध्यक्ष शांति बेनीवाल, ब्लॉक अध्यक्ष आनंद सिंह सोढ़ा, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवर कूकना, NSUI जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गोदारा, और NSUI प्रदेश महासचिव राजेश गोदारा विशेष रूप से उपस्थित थे। नेताओं ने सामूहिक रूप से सुशीला रामेश्वर डूडी से आशीर्वाद लिया और विश्वास दिलाया कि वे एकजुट होकर पार्टी को और मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे।

## डिजिटल पोर्टल के माध्यम से ली जा सकती है सरकारी योजनाओं व नीतियों की जानकारी

### माईजीओवी, माई भारत और पीएम इंटर्नशिप पोर्टल बन रहे नए अवसरों के द्वार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

**रजत विजय रंगा ।** उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बनाए गए डिजिटल पोर्टलों से जुडकर सरकारी योजनाओं व नीतियों की जानकारी प्राप्त करें और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि अब सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए पारंपरिक माध्यमों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ने ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किए हैं जो न केवल योजनाओं की जानकारी देते हैं बल्कि नागरिकों को नीति निर्माण और संवाद का अवसर भी प्रदान करते हैं। इनमें सबसे प्रमुख है माईजीओवी, जो नागरिकों को सरकार के साथ जोड़कर गुड गवर्नेंस में भागीदारी सुनिश्चित करता है। यहां लोग चर्चा, सर्वे, पोल, क्विज और ऑन-ग्राउंड गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। माईजीओवी की मजबूत सोशल मीडिया मौजूदगी भी है और यह ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब व भारतीय प्लेटफॉर्म जैसे शेयरचैट, चिंगारी, रोपोसो पर सक्रिय है। माई भारत युवाओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने और समाज में योगदान का अवसर देता है। उन्होंने बताया कि जबकि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप पोर्टल युवाओं को व्यावहारिक अनुभव और कौशल विकास के जरिए करियर निर्माण में मदद करता है। उपायुक्त ने कहा कि ये प्लेटफॉर्म युवाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और नीति निर्माण में योगदान देने का बेहतरीन अवसर दे रहे हैं। उन्होंने युवाओं से इनका अधिकतम लाभ उठाने और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

## होटल कर्मचारियों की ईमानदारी: भूलकर गए प्रॉपर्टी इन्वेस्टर के दो लाख रुपये सुरक्षित लौटाए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.शाहपुरा/नीमराना।

**रमेशचंद्र ।** ईमानदारी और मानवता की एक अनोखी मिसाल देखने को मिली, जब नीमराना के लॉर्ड्स प्रॉपर्टीज के निर्देशक हर्षदीप चौधरी ने अपने दो लाख रुपये भूल से होटल में छोड़ दिए। लेकिन होटल के कर्मचारी मनोज कुमार ने अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए पूरे दो लाख रुपये सुरक्षित लौटा दिए। हर्षदीप चौधरी गुरुवार रात आंतेला शाहपुरा के पास स्थित शिवा ढाबा में ठहरे थे। प्रॉपर्टी का निरीक्षण करने के बाद देर रात ठहरने पहुंचे हर्षदीप चौधरी ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने सूटकेस में रखे दो लाख रुपये तकिए के नीचे रख दिए। सुबह जल्दी उठकर वे त्रिवेणी धाम दर्शन के लिए निकल गए, लेकिन जल्दबाज़ी में उन्हें याद ही नहीं रहा कि उनके पैसे वहीं कमरे में छूट गए हैं। दर्शन के दौरान ही होटल के रिसेप्शन से संजय कुमार का फोन आया कि आप कुछ सामान भूल गए है। वापस लौटने पर होटल के कर्मचारी मनोज कुमार ने रिसेप्शन पर संजय कुमार और मैनेजर ईश्वर सिंह की मौजूदगी में पूरे दो लाख रुपये सुरक्षित लौटाकर ईमानदारी का बेहतरीन परिचय दिया।इस पारदर्शिता और नैतिकता से प्रभावित होकर प्रॉपर्टी इन्वेस्टर हर्षदीप चौधरी ने कर्मचारी मनोज कुमार समेत पूरे होटल स्टाफ का आभार व्यक्त किया और उनकी ईमानदारी की सराहना की। यह घटना सिद्ध करती है कि समाज में आज भी ऐसे लोग हैं जो अपनी सच्चाई और ईमानदारी से दूसरों का भरोसा बढ़ाते हैं।

## विप्र फाउंडेशन जयपुर प्रांत अध्यक्ष राजेश शर्मा का चिड़ावा दौरा



भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

विप्र फाउंडेशन जयपुर प्रांत के अध्यक्ष कर्नल राजेश शर्मा शुक्रवार को झुंझुनू चिड़ावा के दौरे पर रहे। चिड़ावा पहुंचने पर, विप्र फाउंडेशन चिड़ावा तहसील अध्यक्ष पृथ्वीराज शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत किया। तहसील अध्यक्ष पृथ्वीराज शर्मा के मार्गदर्शन में, विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने जयपुर प्रांत अध्यक्ष कर्नल राजेश शर्मा को दुपट्टा ओढ़ाकर और पुष्प भेंट कर उनका विधिवत सम्मान किया। इस अवसर पर कर्नल राजेश शर्मा ने विप्र फाउंडेशन द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस स्वागत समारोह में रविकांत शर्मा, सुशील शर्मा, शुभमराम शर्मा, और विजय शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने कर्नल राजेश शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया।

## कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह: नीरू चौधरी ने बीकानेर में शहर और देहात अध्यक्षों को दी शुभकामनाएँ

### स्वास्थ्य लाभ के बाद पहली सार्वजनिक उपस्थिति से कार्यकर्ताओं में नया जोश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव और श्री गंगानगर जिला प्रभारी नीरू चौधरी (निरमा) ने आज बीकानेर देहात कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर नवनियुक्त कांग्रेस पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं। उनकी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया, क्योंकि यह स्वास्थ्य लाभ के बाद उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। राजस्थान महिला कांग्रेस की कॉर्डिनेटर नीरू चौधरी ने देहात कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दूसरी बार देहात अध्यक्ष बने विशनाराम सियाग और बीकानेर शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। दोनों अध्यक्षों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भारी जमावड़ा देखा गया। इस दौरान हजारों कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया और अपने नेताओं के प्रति अपना जोश और उत्साह व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं के उत्साह और नीरू चौधरी की प्रेरणादायक उपस्थिति ने यह दर्शाया कि बीकानेर में कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। नीरू चौधरी ने दोनों अध्यक्षों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

## ग्रामीण एकजुटता का अनोखा उदाहरण: बंथला गांव ने विद्यालय को खेल मैदान हेतु भूमि दान की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

**रमेशचंद्र ।** उपखंड के गांव बंथला में ग्रामीणों ने सामाजिक जिम्मेदारी और शिक्षा के प्रति समर्पण की मिसाल पेश की है। गांव के समस्त ग्रामीणों द्वारा सामूहिक रूप से भूमि खरीदकर विद्यालय के लिए खेल मैदान के रूप में दान की गई। शुक्रवार को ग्रामीणों ने विधिवत भूमि का पूजन कर इसे विद्यालय प्रशासन को सौंप दिया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव एवं पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि व पूर्व प्रधान बलवानसिंह यादव ने ग्रामीणों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में भौतिक संसाधनों के विकास के लिए ग्रामीणों को इसी प्रकार आगे आकर योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि बलवानसिंह यादव ने विद्यालय के नए खेल मैदान की चारदिवारी निर्माण करवाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत दौसोद के सरपंच नवरत्न यादव, तथा ग्रामीण हनुमान, जयपालसिंह, जगरूप, जगमाल, लेखराम, रामेश्वर, रोहिताश, वेदप्रकाश, राजेन्द्र प्रसाद, जगदीश, सुरेश, ओमप्रकाश, ब्रजपालसिंह, प्रमोद, रविन्द्र सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हजारीलाल मीणा, शिक्षिका प्रेम कुमारी, योगेश, मोनिका यादव, अनिता एवं प्रियंका यादव ने उपस्थित ग्रामीणों एवं अतिथियों का सम्मान करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। यह पहल न केवल शिक्षा के प्रति गांव की जागरूकता दर्शाती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर खेल सुविधाओं का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।

## टोहाना के गांव बोस्ती में ईश्वर बोस्ती गोदारा की बिटिया की शादी में विधायक बलवान सिंह आशीर्वाद देने पहुंचे

### ईश्वर बोस्ती गोदारा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के नजदीकी रिश्तेदार हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

**रजत विजय रंगा ।** टोहाना उपमंडल के गांव बोस्ती में पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल व टोहाना के पूर्व विधायक चौधरी हनुमान विश्नोई की बहन की पोती लक्ष्मी पुत्री ईश्वर बोस्ती की शादी में कई राजनैतिक हस्तियां आशीर्वाद देने पहुंची। हरियाणा के कई राजनैतिक पार्टियों के नेता आशीर्वाद देने पहुंचे फतेहाबाद के कांग्रेसी विधायक बलवान सिंह व उनके बेटे, पूर्व विधायक चौधरी दूडा राम के भाई द्वारका प्रसाद एडवोकेट, प्रवीण पंजाब, विधायक के पुत्र भूपेंद्र पनिहार, डीएसपी संजय विश्नोई, टोहाना के पूर्व

विधायक हनुमान विश्नोई के पुत्र मनोज विश्नोई, भूपेंद्र गोदारा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलजिंदर सिंह ठरवी, जी इनेलो जिला फतेहाबाद कार्यकारी प्रधान हरिसिंह मेहरियां व मीठू शरीक हुए तथा रात्रि भोग के आयोजन में हिस्सा लिया।

## गांव तिगरा का मनोज गांव में सार्वजनिक कार्य कर अपने परिवार परंपरा को आगे बढ़ा रहा है

# पूर्व सैनिक व आर्य समाज प्रधान ने अपने गांव में शमशान घाट का प्रवेश द्वार निर्माण व पौधारोपण किया, उद्घाटन 2 दिसंबर को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

**मनोज बुलाण ।** एक सैनिक ने भारतीय सेना में अपनी उत्कृष्ट सेवा देने के बाद रिटायर्ड के बाद गांव में समाज सेवा व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पूर्व सैनिक व आर्य समाज प्रधान मनोज कुमार ने अपने गांव तिगरा में अपनी दादी की याद में शमशान घाट प्रवेश द्वार निर्माण व उसमे पौधारोपण किया है। प्रवेश द्वारा का उद्घाटन 2 दिसंबर को रिटायर्ड कमांडेंट मोहर सिंह पुत्र स्व. रामजीलाल करेंगे। गांव निवासी थानेदार लाल सिंह, जगदीश ने बताया कि तिगरा निवासी सैनिक मनोज व आर्य समाजी ने अपनी दादी स्व. चंपा देवी की यादगार में श्मशान घाट का प्रवेश द्वार बनवाया जिसका उद्घाटन 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे किया जाएगा। इससे पहले उनके पूर्वजों ने भी अपनी कमाई का दान पीढ़ी दर पीढ़ी करते आ रहे हैं। उनके दादाजी रामजीलाल व झुथाराम ने अपने पिता तोखाराम की यादगार में परमार्थ में मोटर 1988 में लगवाई और टंकी बनवाई। मनोज के ताऊ

असिस्टेंट कमांडेंट मोहर सिंह ने अपने पिता रामजीलाल की यादगार में तिगरा गांव में बजरंग बली का मंदिर बनवाया जिसका उद्घाटन 2 अप्रैल 2001 को हुआ। इसके अलावा 2008 में हाई स्कूल में अस्टिेंट कमांडेंट मोहर सिंह व सेवानिवृत हेड मास्टर लक्ष्मी नारायण दोनों ने मिलकर स्कूल प्रांगण में बच्चों के पीने के पानी के लिए बोर कराया और मोटर लगवाई थी। मनोज के पिता किशन लाल व मनोज के चाचा धनीराम ने अपने पिता झुथाराम की यादगार में बाबा रघुनाथ द्वार बनवाया 25 अगस्त 2016 को जन्माष्टमी को उद्घाटन हुआ था। बता दें कि इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मनोज कुमार ने अपने स्व. पिता की यादगार में बाबा रघुनाथ प्रांगण में एक कमरा बनवाया जिसका उद्घाटन मार्च 2019 को में हुआ। वह अपनी सफल कमाई से समाज में काफी काम करते है, और मनोज अपने बेटा बेटी के जन्मदिन पर भी गांव की गोचर भूमि में पेड़ लगाते है अब तक 241 पेड़ लगा चुके है जिसमें से 152 पेड़ लगे हुए है और 65 पेड़ों की जाली व गड्ढे हटा दिए है जो कि बड़े हो गए है। उसने बताया कि यह भावना उनके पूर्वजों से मिली है।

## नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्षों ने रामेश्वर डूडी को अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** राजस्थान के कद्दावर नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी को उनके निधन के उपरांत श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में, बीकानेर देहात कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने आज डूडी जी के अंत्येष्टि स्थल पर पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने स्वर्गीय रामेश्वर डूडी के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए भावुकता से कहा, 'डूडी जी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन ही था, जिसके सहारे मैं आज इस मुकाम तक पहुंचा हूँ।' उन्होंने डूडी जी के जनहितैषी विचारों को याद करते हुए उनके आदर्शों को दोहराया, 'डूडी जी हमेशा यह कहते थे कि हमारे हर प्रयास का लाभ आखिरी छोर के गाँव-ढाणी तक के व्यक्ति को मिलना चाहिए।' सियाग ने आगे कहा कि वह

और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल मिलकर जनता के मुद्दों को पूरी ताक़त से आवाज़ देंगे और डूडी जी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।

### श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख हस्तियां रहीं मौजूद

इस अवसर पर, श्रद्धांजलि देने वालों में कई प्रमुख स्थानीय नेता और जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल, सरपंच हेमंत सिंह यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शांति बेनीवाल, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भंवर कूकना, हरस्तु जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गोदारा, और भीखाराम कडेला सहित अन्य कार्यकर्ता भी शामिल थे। सभी ने मिलकर दिवंगत नेता को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

## भौड़ी के किसान के खेत में डेढ़ एकड़ की रखी कड़बी को अज्ञात लोगों ने को जलाया, कड़बी जलकर हुई राख

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

**मनोज बुलाण ।** गांव भौड़ी निवासी किसान के खेत में डेढ़ एकड़ की रखी कड़बी को अज्ञात लोगों ने बृहस्पतिवार रात्रि को जलाकर राख कर दिया। जली कड़ब्बी के पास ज्वलनशील पदार्थ बिखरा हुआ है, जो कड़ब्बी को इरादे से जलाने की बू आ रही है। आग की सूचना फायर बिग्रेड को भी दी मौके पर पहुंच कर मशक्कत से आग पर काबू पाया लेकिन उस समय तो कड़बी जल कर राख हो चुकी थी।

उस कड़बी के छोर से थोड़ी दूर एक अन्य किसान कड़ब्बी की बागर लगी हुई थी। गांव के पूर्व सरपंच जगमोहन सिंह के पुत्र बिनोद ने बताया कि मदन सिंह किसान पीड़ित गरीब है, अपनी डेढ़ एकड़ में खेती परिवार चलाता है। रात्रि को किसान एक विवाह समारोह में गया हुआ था। आग की सूचना पड़ोसियों ने फोन पर दी। जिला उपायुक्त से आर्थिक सहायता की गुहार लगायी है। इसकी सूचना अटेली थाने में भी दी है। आग के कारणों का मालूम अभी तक नहीं चला है।

## अशोक गहलोत, टीकाराम जूली के बयान आधारहीन और तथ्यहीन, कांग्रेसी नेता अब जुमलेबाजी का ले रहे हैं सहारा:- राजेंद्र राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज

**जयपुर ।** भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस नेताओं अशोक गहलोत, टीकाराम जूली के बयानों को पूरी तरह आधारहीन, तथ्यहीन और भ्रामक बताते हुए कहा कि भजनलाल सरकार की सफल और जनहितकारी नीतियों से भयभीत कांग्रेसी नेता अब झूठे आरोपों और जुमलेबाजी का सहारा ले रही है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत को आज सरकार दिखाई नहीं देती क्योंकि अपने 5 साल के कार्यकाल में उनकी सरकार स्वयं जनचिंताओं में घिरी रही, गुटों में बंटी रही, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण जनता में चर्चा का विषय बनी रही। राठौड़ ने बताया कि सरकारों की तुलना जनकल्याण और विकास पर खर्च हुए बजट के आधार पर होती है, और इस समय भजनलाल सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार से 24 प्रतिशत अधिक, यानी 1 लाख 3 हजार करोड़ रुपए का बजट बढ़ाकर विकास की नए आयाम स्थापित किए है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार ने नीतिगत फैसलों में रिकॉर्ड बनाते हुए एक दर्जन से अधिक नई नीतियां जैस औद्योगिक, एमएसएमई, खेल, पर्यटन, युवा और टेक्सटाइल नीति लागू की हैं,

## पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने उपाध्याय परिवार को दी नवीन गृह प्रवेश की शुभकामनाएँ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** बीकानेर में उपाध्याय लाखूसर - गडसीसर रोड स्थित जैना महाराज के नवीन गृह प्रवेश समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने सम्मिलित होकर परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। गोविंद राम मेघवाल ने इस अवसर पर जैना महाराज जी उपाध्याय और उनके परिवार को बधाई देते हुए उनके नए निवास के लिए मंगलकामना की। नवीन गृह में प्रवेश सदैव शुभ शुरुआत का प्रतीक होता है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि यह नया घर परिवार के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल लेकर आए।' उन्होंने परिवार द्वारा दिए गए स्नेह और सम्मान के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कोलासर के चांद रतन रामाणी भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी उपाध्याय परिवार को नवीन गृह प्रवेश की शुभकामनाएँ दीं। यह समारोह उपाध्याय परिवार के नए घर में प्रवेश का शुभ अवसर था, जिसे यादगार बनाने के लिए कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

## छतरगढ़ पंचायत समिति के बाद विधायक मेघवाल का पहला दौरा: खाजूवाला में हुआ गर्मजोशी से स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खाजूवाला।

छतरगढ़ को हाल ही में पंचायत समिति का दर्जा मिलने के बाद, क्षेत्र के विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल पहली बार 465 आरडी खाजूवाला पहुंचे। विधायक के इस महत्वपूर्ण आगमन पर, स्थानीय भाजपा के युवा नेता इंद्राज बेनीवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर, विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने 465 आरडी खाजूवाला में 'शहीद भगत सिंह बस स्टैंड' को शुरू करने के लिए स्थानीय भामाशाह सुरजा राम जी नदीवाल और समस्त व्यापारी गणों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पहल को क्षेत्र के यात्रियों और आम जनता के लिए एक बड़ी सुविधा बताया। छतरगढ़ को पंचायत समिति का दर्जा मिलने के बाद विधायक का यह दौरा क्षेत्र के विकास और आगामी योजनाओं पर चर्चा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## जय प्रकाश मेघवाल बने राजस्थान मेघवाल समाज के तहसील अध्यक्ष, समाज हित के लिए सौंपी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान (रजि.), बीकानेर ने समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय जय प्रकाश मेघवाल को एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक पद पर नियुक्त किया है। उनकी कर्मठता, जुझारूपन और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। संस्थान के प्रदेश/जिला संगठन द्वारा जारी एक आधिकारिक नियुक्ति पत्र के अनुसार, जय प्रकाश मेघवाल (पुत्र स्व. अमर चंद मेघवाल) को तहसील अध्यक्ष (बीकानेर) के पद पर

मनोनीत किया गया है। राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान के जिला अध्यक्ष, त्रिलोक चंद जयपाल, ने इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निर्देश दिया कि जय प्रकाश मेघवाल समय, श्रम और मनोयोग का उपयोग करते हुए अपने कार्यक्षेत्र में अच्छे और शिक्षित समाज के सपने को पूरा करने हेतु घर-घर तक पहुंचें और संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग दें। जिला अध्यक्ष जयपाल ने आशा व्यक्त की है कि जय प्रकाश मेघवाल समाज हित के इस पुनीत कार्य को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे और समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। संस्थान के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने जय प्रकाश मेघवाल को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

## गरीब कन्या के विवाह के लिए आगे आए समाजसेवी राकेश चेयरमैन

### विवाह में शुगन में फर्नीचर का सारा सामान, संदूक आदि दिया, हो रही प्रशंसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

**मनोज बुलाण ।** अटेली क्षेत्र के गांव सैदपुर की विध्वा महिला ने अपने बच्चों को दु:ख तकलीफों से उच्च शिक्षित किया तथा अब लडक़ी के विवाह में गरीबी आड़े रही थी। क्षेत्र के एक समाज सेवी राकेश चेयरमैन बेगपुर ने आगे आ कर विवाह में चली आ रही परंपरा के अनुसार लडक़ी को शुगुन के रूप में दिये जाने वाले उपहार में फर्नीचर समेत संदुक आदि सारा सामान भेंट किया है। शुगन देने वाले चेयरमैन राकेश कुमार ने कहा कि समाज में जरूरतमंद की सहायता करना अपना कर्तव्य समझता है। बाबू प्रहलाद ने महिला की दयनीय स्थिति के बारे में अवगत कराया तो फर्नीचर व कन्या दान कर वह अपने आप को खुश किस्मत समझ रहे है। बता दें कि राकेश चेयरमैन अटेली क्षेत्र में गोशाला, खेल कूद प्रतियोगिताओं, निर्धन व मेधावी बच्चों की प्रोत्साहन करने में अग्रणी रहते है। बच्ची की विवाह 4 दिसंबर का है तथा लगन 30 नवंबर को राजस्थान के गांव गंडाला में जाएगा। लडक़ा भी उच्च शिक्षित है उसने दहेज के लिए

मना कर दिया था लेकिन लडक़ी की मां सरला देवी ने अपनी बेटी को शुगुन के रूप में आवश्यक सामना देना चाहती थी। दूसरी व्यवस्था तो अपने स्तर पर ली थी लेकिन फर्नीचर आड़े आ रहा था। अटेली कालेज में कार्यरत बाबू प्रहलाद सिंह ने बताया कि गांव सैदपुर सरला देवी बहुत मेहनती, ईमानदार है लेकिन उनका पति 2012 में लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया था। उस समय बच्चे छोटे थे तथा उनका लालन पालन करना कठिन हो गया था। जैसे-तैसे कर कर के कालेज में दैनिक भोगी कर्मी के रूप में लगा कर जीवन को आगे बढ़ाया। महिला ने कालेज में विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के कार्य को पुरी निष्ठा से किया तथा अपने तीनों बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाई। महिला ने कालेज चेयरमैन राकेश बेगपुर, प्राचार्य डा. प्रवीण यादव, बाबू प्रहलाद सिंह, सुनिल बिहाली समेत सहयोग करने का आभार प्रकट किया है।

## परिसीमन विवाद गहराया: 4 बीएमआर के ग्रामीणों का प्रदर्शन, दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बज्जू/बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** बज्जू उपखंड के चक 4 बीएमआर ग्राम के निवासियों ने ग्राम पंचायत के हालिया परिसीमन पर गंभीर विरोध दर्ज कराया है। ग्रामीणों ने शुक्रवार को बज्जू उपखंड कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को एक ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों की मुख्य आपत्ति यह है कि परिसीमन प्रक्रिया के तहत उनके गांव को लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित भूरासर ग्राम पंचायत में शामिल कर दिया गया है। ग्रामीणों का तर्क है कि उनका गांव भौगोलिक और सामाजिक रूप से बरसलपुर पंचायत के अधिक निकट है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि 20 किलोमीटर दूर नई पंचायत में शामिल होने के कारण उन्हें मूलभूत प्रशासनिक, सामुदायिक और दैनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे उन्हें भारी असुविधा होगी।

**20 किलोमीटर दूर भूरासर पंचायत में शामिल करने पर भड़के ग्रामीण, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

### आपत्तियाँ अनसुनी, सामूहिक बहिष्कार की चेतावनी

ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया के दौरान कई बार लिखित में आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन प्रशासन ने उनकी मांग को अनसुना कर दिया। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनके गांव चक 4 बीएमआर को तत्काल बरसलपुर ग्राम पंचायत में वापस शामिल नहीं किया जाता है, तो वे सभी आगामी निर्वाचन प्रक्रियाओं और चुनावों का सामूहिक बहिष्कार करेंगे।

### विरोध प्रदर्शन में इनकी रही उपस्थिति

यह विरोध प्रदर्शन सामाजिक कार्यकर्ता श्री कैलाश चंदेल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान दीपाराम चंदेल, पुरखाराम, गोमाराम पन्नू, नरेश चंदेल, कर्णेश चंदेल, लालू राम प्रजापत, पोकर राम सेंजू, किशोर कुमार, खेताराम और अन्य ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी ने ग्रामीणों के ज्ञापन को स्वीकार करते हुए उनकी मांग को उच्चाधिकारियों तक पहुँचाने का आश्वासन दिया है।

## परिसीमन के विरोध में काकड़ा पंचायत के ग्रामीणों का प्रदर्शन

# पुनः नोखा पंचायत समिति में शामिल करने की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा/बीकानेर।

**सोहनलाल परिहार ।** नोखा उपखंड से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है, जहाँ हाल ही में हुए प्रशासनिक पुनर्विन्यास का स्थानीय स्तर पर विरोध शुरू हो गया है। काकड़ा ग्राम पंचायत के निवासियों ने आज बड़ी संख्या में उपखंड कार्यालय, नोखा पहुंचकर उपखंड अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा और अपनी पंचायत को पुनः नोखा पंचायत समिति में शामिल करने की मांग की। जसरासर में शामिल करने पर विरोध ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि प्रशासनिक पुनर्गठन के बाद काकड़ा पंचायत को जसरासर

पंचायत समिति में जोड़ दिया गया है। ग्रामीणों का तर्क है कि इस बदलाव से क्षेत्र की जनसुविधाओं, विकास कार्यों और दैनिक प्रशासनिक कार्यों पर सीधा और नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, काकड़ा पंचायत की सामाजिक, भौगोलिक और प्रशासनिक स्थिति नोखा पंचायत समिति के साथ अधिक मेल खाती है। इसलिए, इसे दूर स्थित जसरासर पंचायत समिति में जोड़ना न्यायसंगत नहीं है।

### ज्ञापन देने वालों में प्रमुख लोग शामिल

इसी मुद्दे पर पुनर्विचार की मांग को लेकर बड़ी संख्या में युवा और बुजुर्ग ग्रामीण उपखंड कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से श्री भगवान सरपंच, श्री रामप्रताप पटवारी (पूर्व प्रधान प्रतिनिधि), श्री इमिलाल जी जाणी (कोआपरेटिव सोसायटी अध्यक्ष), बनवारीलाल डेलू, रतनलाल भरताणी, मांगीलाल बिश्नोई, दामोदर पारीक, महेंद्रराम डेलू, रामकिशन मेघवाल, शंकरलाल मेघवाल, गंगाजल बिश्नोई, मुनीराम बिश्नोई, श्रीराम डेलू, बगड़ावतराम पुनिया और गोरधन बिश्नोई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लेने और काकड़ा पंचायत को पुनः नोखा पंचायत समिति का हिस्सा बनाने की पुरजोर मांग की है।

## संक्षिप्त समाचार

### पेरू के पूर्व राष्ट्रपति विजकार्रा को 14 साल की जेल

**लीमा, एजेंसी।** पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा को एक दक्षिणी राज्य के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार योजना में उनकी भूमिका के लिए 14 साल जेल की सजा सुनाई है। विजकार्रा को तत्काल कारावास की सजा सुनाई गई और सार्वजनिक पद से नौ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि विजकार्रा ने मोकेगुआ के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दो प्रमुख परियोजनाओं – एक सिंचाई प्रणाली और एक अस्पताल के निर्माण – के लिए ठेके देने के बदले में कंपनियों से अवैध भुगतान प्राप्त किया था। अधिकारियों ने विजकार्रा पर निर्माण कंपनियों से लगभग 611,000 डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने 15 वर्ष की जेल की सजा का अनुरोध किया था।

### पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में चेक पोस्ट पर आतंकवादी हमले में 3 पुलिसकर्मी मारे गए

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को एक जांच चौकी पर आतंकवादियों के हमले में तीन पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। जिला पुलिस अधिकारी खान जैब ने बताया कि यह हमला हांगू जिले के काजी तालाब पुलिस चेकपोस्ट पर हुआ, जब आतंकवादियों ने पास के पहाड़ से सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की। पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। हालांकि, गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। जैब ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा की और बिना किसी देरी के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजने का आदेश दिया।

### नेपाल : जेन-जी और यूएमएल कैडरों में झड़प, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार हिंसा

**धनगढ़ी, एजेंसी।** नेपाल के धनगढ़ी शहर में बुधवार को जेन-जी समूह और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। एक सप्ताह के भीतर हिंसा की यह दूसरी घटना है। इस झड़प में प्रदर्शनकारी एक जेन-जी को हल्की चोट आई है। यूएमएल नेता महेश बसनेत के शहर में आने से पहले जेन-जी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तनाव तब बढ़ा, जब बाइक पर आए यूएमएल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। बसनेत नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनगढ़ी जा रहे थे। कैलाली जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, पिछले सप्ताह बारा जिले में हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस ने पहले ही सुरक्षा कड़ी कर दी थी। रविवार को कुछ जेन-जी ने बिराटनगर हवाई अड्डे के पास महेश बसनेत की गाड़ी पर स्याही फेंक दी थी। इससे कुछ ही दिन पहले सिमरा चौक पर यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और बसनेत को रोकने की कोशिश कर रहे जेन-जी कार्यकर्ताओं और यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें छह युवा घायल हो गए थे। इस दौरान पथराव हुआ था। हवाई अड्डे पर तोड़फोड़ के कारण उड़ानों को कई घंटों के लिए रोकना पड़ा था।

### इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव, सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

**तेल अवीव, एजेंसी।** इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है।

---

**व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 नेशनल गार्ड्स गंभीर घायल**

# अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार, ट्रम्प ने यहां के शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका में बुधवार शाम व्हाइट हाउस से दो ब्लॉक दूर हुई फायरिंग में नेशनल गार्ड्स के दो मेंबर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे इसी साल मंजूरी मिली थी। हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने दौड़कर हमलावर को काबू कर लिया। गिरफ्तार होने से पहले लाकनवाल को चार गोलियां लगीं और उसे लगभग बिना कपड़ों के एम्बुलेंस में ले जाया गया।

**ट्रम्प बोले- यह मानवता के खिलाफ अपराध है :** अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट इस मामले को आतंकवादी हमले के तौर पर जांच रहा है। हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने पेंटागन को निर्देश दिया कि वॉशिंगटन डीसी में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 500 एक्स्ट्रा नेशनल गार्ड्स भेजे जाएं। ट्रम्प ने कहा कि आरोपी इसकी भारी कीमत चुकाएगा। एपी की खबर के मुताबिक एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि एक गार्ड को सिर में गोली लगी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने संदिग्ध को जानवर कहा है। उन्होंने कहा कि वो इसकी बहुत भारी कीमत चुकाएगा।

ट्रम्प ने ट्रुथ पर लिखा- हमारी महान नेशनल गार्ड और सुरक्षा बलों पर गर्व है। मैं और मेरी पूरी टीम उनके साथ है। यह पूरे राष्ट्र के खिलाफ अपराध है। यह मानवता के खिलाफ अपराध है।

**अभी तक आरोपी का मकसद साफ नहीं :** रिपोर्ट के मुताबिक, लाकनवाल ऑपरेशन एलाइज वेलकम प्रोग्राम के तहत अमेरिका में आया था। उसे वॉशिंगटन के बेलिंगहैम बसाया गया था। पुलिस का कहना है कि लखनवाल ने अकेले ही यह हमला किया और अब तक इसका मकसद साफ नहीं है। एनबीसी और वॉशिंगटन पोस्ट का कहना है कि ख़ुफ़िया इस मामले को आतंकी हमले के रूप में जांच कर रही है। ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर की आलोचना करते हुए दावा किया कि संदिग्ध को बाइडेन प्रशासन के समय अमेरिका लाया गया था।

**क्या था मकसद :** राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के सामने हुई इस गोलीबारी को लेकर डीसी के मेयर म्यूरिल बाउजर ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने यह टार्गेटेड अटैक किया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक आरोपी वहां ऐसे ही टहलते हुए आकर एक मोड़ पर रुका और उसने हैंडगन निकालकर फायरिंग करनी शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फायरिंग का शिकार दोनों नेशनल गार्ड्स सदस्यों के सिर में गोली लगी है, जिससे उनकी हालत गंभीर है। इस गोलीबारी के बाद आसपास मौजूद अन्य सदस्यों ने तुरंत ही वहां आकर हालात को काबू में किया। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। उसका क्या मकसद था इसके बारे में फिलहाल जांच के बाद ही पता चलेगा।

**अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों संग किया काम :** एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि रहमानुल्लाह पिछले काफी समय से वाशिंगटन में ही रह रहा है, लेकिन अभी उसकी और जानकारी निकाली जा रही है। एनबीसी ने रहमानुल्लाह के एक करीबी रिश्तेदार के हवाले से बताया कि रहमानुल्लाह और उसकी पत्नी के कुल पांच लड़के हैं। 2021 में अमेरिका आने से पहले वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के साथ काम करता था। लकनवाल ने 10 साल तक अफगान सेना में काम किया। उस दौरान वह कंधार के एक अड्डे पर तैनात रहा।

---

# एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट, सेना ने कब्जाया राष्ट्रपति भवन

**बिसाऊ, एजेंसी।** पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर आकर बताया कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा कर लिया है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी थी। गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट ऐसे समय हुआ है, जब तीन दिन पहले ही वहां आम चुनाव हुए। गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति ने भी फ्रांसीसी मीडिया से बताया कि उन्हें पद से हटा दिया गया है और गिरफ्तार कर लिया गया है।

**सेना ने राष्ट्रीय टीवी पर जारी किया बयान :** गिनी बिसाऊ की सेना के प्रवक्ता डिनीस एन चामा ने एक बयान जारी कर बताया कि 'सैन्य कमांड ने राष्ट्रपति को पद से हटा दिया है। नए आदेश तक सभी लोकतांत्रिक संस्थान भी बर्खास्त रहेंगे।' सेना के प्रवक्ता ने बताया कि देश को अस्थिर करने की साजिश रची जा रही थी और चुनाव में भी धांधली की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ राष्ट्रीय नेता, ड्रग माफिया और कुछ विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर साजिश रच रहे थे। हालांकि सैन्य प्रवक्ता ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। सेना द्वारा गिनी बिसाऊ के सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं और मीडिया संस्थानों की गतिविधियों को भी सीमित कर दिया गया है।

**गिनी बिसाऊ में तख्तापलट का लंबा इतिहास :** पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में इससे पहले भी चार बार तख्तापलट हो चुका है और कई बार तख्तापलट की

कोशिश हो चुकी है। बीते महीने भी तख्तापलट की कोशिश की गई थी। गिनी बिसाऊ ड्रग तस्करी का भी गढ़ बनकर उभरा है और यहां से बड़े पैमाने पर दक्षिण अमेरिकी और यूरोपीय देशों में ड्रग तस्करी की जाती है। गिनी बिसाऊ में रविवार को हुए चुनाव का अभी तक नतीजा जारी नहीं हुआ है, लेकिन राष्ट्रपति उमारो सिसोको एंबोलो और विपक्षी नेता फर्नांडो डियास डा कोस्टा दोनों ने ही जीत का दावा किया है।

**कैसे हुआ तख्तापलट :** बुधवार दोपहर में राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति भवन जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया था और जगह-जगह हथियारबंद सेना के जवान तैनात थे। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद सेना के जवानों ने राष्ट्रपति भवन पर हमला किया और इस दौरान सेना के जवानों और राष्ट्रपति भवन के गार्ड्स के बीच गोलीबारी हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुनाव आयोग के कार्यालय को सील कर दिया गया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में साल 2020 से कई तख्तापलट हो चुके हैं।

---

# बांग्लादेश में झुग्गी-बस्ती में लगी आग से जलीं 1500 से ज्यादा झोपड़ियां, हजारों लोग बेघर हुए

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित भीड़भाड़ वाले कोरेल झुग्गी-बस्ती में लगी भीषण आग ने करीब 1,500 झोपड़ियों को जला दिया या नुकसान पहुंचाया। इसके चलते यहां रहने वाले हजारों लोग बेघर हो गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार शाम को लगी और लगभग 16 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को बुझाई जा सकी। अग्निशमन सेवा के ड्यूटी अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि आग को पूरी तरह नियंत्रित करने में काफी समय लग गया। दमकल सेवा के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि करीब 1,500 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुईं, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोरेल स्लम में करीब 60,000 परिवार रहते हैं, जिनमें से कई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होकर आए शरणार्थी हैं। 160 एकड़ (65 हेक्टेयर) में फैला यह बस्ती ढाका के पॉश गुलशन और बनानी क्षेत्रों के बीच स्थित है और इसके चारों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें हैं।

बताया जाता है कि आग लगने के बाद बस्ती में भारी धुआं फैल गया और निवासी रातभर अपनी झोपड़ियों को आग की लपटों में घिरते देखते रहे। बुधवार को लोग मलबे से अपनी बची-कुची चीजें निकालने की कोशिश करते दिखे। दमकलकर्मियों ने बताया कि बेहद संकरी गलियां होने के कारण मौके तक पहुंचना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

ढाका, जिसकी आबादी 2024 तक लगभग 1.02 करोड़ है, में सैकड़ों झुग्गी बस्तियां हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबी और शोषण के कारण लोग आकर बसते हैं। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं भी लोगों को शहर की इन बस्तियों में रहने को मजबूर करती हैं, जहां वे रिक्शा चलाने, घरेलू कामकाज और सफाई कार्य जैसे दिहाड़ी कार्यों से गुजारा करते हैं।

---

# जर्मनी बोला- रूस जंग खत्म करने को तैयार नहीं

## देश का रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान ; 2029 तक नाटो पर हमला कर सकते हैं पुतिन

**बर्लिन, एजेंसी।** जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा है। बुधवार को जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई इच्छा नहीं दिखती। बोरिस ने कहा, पुतिन की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। बोरिस ने बताया कि इसी वजह से जर्मनी अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही यूक्रेन को सैन्य मदद भी बढ़ाएगा।

**2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस :** जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने मंगलवार चेतावनी दी है कि रूस अगले चार साल में किसी ख़ुफ़िया देश पर हमला कर सकता है। उन्होंने यह बात बर्लिन फॉरेन पॉलिसी फोरम में कही। वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

**नाटो चीफ बोले- रूस शांति समझौते के बाद भी खतरा :** नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में अगर शांति समझौता भी हो जाए, तब भी रूस यूरोप के लिए लंबे समय तक खतरा बना रहेगा। उन्होंने यह बयान ब्रसेल्स में स्पेनिश अखबार एल पाइस को दिए इंटरव्यू में दिया।

रुटे ने यह भी कहा कि यूरोप का कोई भी देश यह न सोचे कि वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि रूसी मिसाइलें कुछ ही मिनटों में किसी भी यूरोपीय शहर तक पहुंच सकती हैं। रुटे ने यूक्रेन मुद्दे पर ट्रम्प की कूटनीतिक कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नया शांति प्रस्ताव आगे बातचीत की अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए जो दबाव बनाया, वह बिल्कुल जरूरी था। उन्होंने नाटो के सदस्य देश स्पेन को आने वाले समय में अपना रक्षा बजट को बढ़ाने की भी सलाह दी।

---

# दक्षिण कोरिया ने नूरी रॉकेट से सबसे बड़ा सैटेलाइट किया लॉन्च, स्पेस मिशन में मिली बड़ी कामयाबी

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया ने अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत गुरुवार तड़के अपना अब तक का सबसे बड़ा सैटेलाइट नूरी रॉकेट से लॉन्च किया। यह प्रक्षेपण देश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि 2027 तक छह मिशन पूरे करने की राष्ट्रीय योजना में यह चौथा लॉन्च है। इस मिशन ने दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता को एक बार फिर उजागर किया है। तीन चरणों वाला नूरी रॉकेट दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित गोहुड के अंतरिक्ष केंद्र से सुबह उड़ान भरा। एयरोस्पेस अधिकारियों के अनुसार, रॉकेट का उद्देश्य 516 किलोग्राम वजनी विज्ञान सैटेलाइट समेत 12 माइक्रो-सैटेलाइट्स को कक्षा में स्थापित करना है। लॉन्च के बाद अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि सभी सैटेलाइट्स सही ऊंचाई पर पहुंचते हैं या नहीं।

**मुख्य सैटेलाइट की विशेषताएं :** इस मिशन में भेजा गया मुख्य सैटेलाइट पृथ्वी से 600 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में घूमने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक वाइड-रेंज एयरग्लो कैमरा लगाया गया है, जो ऑरोरा जैसी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा इसमें प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों की जांच करने वाली अलग-अलग प्रणालियां भी शामिल हैं। सैटेलाइट पर जीवन-विज्ञान से जुड़े प्रयोगों को अंतरिक्ष में परखने का एक विशेष सिस्टम भी लगाया गया है।

**12 छोटे 'क्यूब' सैटेलाइट्स भी भेजे गए :** इस मिशन की एक और खास बात यह रही कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों द्वारा तैयार 12 छोटे क्यूब सैटेलाइट्स भी रॉकेट में शामिल थे। इनमें लगाई गई तकनीकों में जीपीएस आधारित पृथ्वी के वायुमंडल का अध्ययन, समुद्री प्लास्टिक पर नजर रखने के लिए इन्फ्रारेड कैमरे, सौर सेल परीक्षण सिस्टम और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की परख करने वाली इकाइयां शामिल हैं।

**पिछले लॉन्च की तुलना में बड़ा कदम :** यह प्रक्षेपण नूरी रॉकेट का मई 2023 के बाद पहला लॉन्च है। इससे पहले 2023 में नूरी रॉकेट ने 180 किलोग्राम वजनी अवलोकन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया था। नूरी का पहला लॉन्च अक्टूबर 2021 में किया गया था, जो डमी सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने में असफल रहा था। इसलिए इस चौथे प्रयास को दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में स्थिरता और सुधार का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इस मिशन की सफलता से दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को नई ऊर्जा मिली है। नूरी कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले अगले दो मिशन 2027 तक पूरे किए जाएंगे, जिनमें और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

---

# ट्रंप ने वार्षिक थैंक्सगिविंग में टर्की पक्षी को माफ किया, डेमोक्रेट नेताओं पर किए कटाक्ष

**वाशिंगटन, एजेंसी।** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में थैंक्सगिविंग समारोह में टर्की पक्षी को औपचारिक माफी देकर व्हाइट हाउस की पारंपरिक रस्म में सद्भावना के बजाय डेमोक्रेट्स का अपमान किया। उन्होंने टर्की को अल साल्वाडोर की एक बदनाम जेल में भेजने का मजाक उड़ाया, जिसका इस्तेमाल अमेरिका से निकाले गए शरणार्थियों को रखने के लिए किया जाता है। वह बोले, पक्षियों का नाम डेमोक्रेटिक दिग्गज चक शूमर और नैंसी पेलोसी के नाम पर चक और नैंसी होना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मैं उन्हें (डेमोक्रेट्स को) माफ नहीं करूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि गत वर्ष राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से टर्की को दी गई माफी अमान्य थी क्योंकि उन्होंने ऑटोपेन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, हंटर (बाइडन) कहां है? इसके साथ ही उन्होंने इशारा दिया कि पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को एक बार फिर कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंत में हंटर बाइडन को माफी देने के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने यह सब मजाक तब शुरू किया जब उन्होंने इलिनोइस के गवर्नर और डेमोक्रेट नेता जेबी प्रिट्जकर पर अपना ध्यान केंद्रित किया। वह शिकागो में नेशनल गार्ड तैनाती संबंधी व्हाइट हाउस की योजनाओं का विरोध कर रहे हैं।

**मजाक: गोबल, तुम्हें बिना शर्त माफ किया जाता है :** रोज गार्डन में बैठे श्रोता हंसी-ठिठोली भी करते देखे गए। आखिरकार ट्रंप ने टर्की गोबल और वैडल को माफ किया। ट्रंप ने कहा- गोबल, मैं तुम्हें बस यह बताना चाहता हूं कि तुम्हें बिना शर्त के माफ किया जाता है। उन्होंने पंखों पर हाथ फेरते हुए कहा, इस खूबसूरत पक्षी को कौन नुकसान पहुंचाना चाहेगा? वैडल को पहले व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में देखा गया था। अमेरिका में हर थैंक्सगिविंग डे पर लोग करीब 4.6 करोड़ टर्की पक्षियों को अपना भोजन बना लेते हैं। यह पक्षी अमेरिकी जनता का नियमित भोजन है। हालांकि परंपरा के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति थैंक्सगिविंग डे पर हर साल दो टर्की को क्षमादान देते हैं। ट्रंप ने भी इसी परंपरा का पालन किया। ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में थैंक्सगिविंग खाने की कीमतें कम हो रही हैं। बता दें, वाशिंगटन में, ट्रंप को अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से पूर्व रिपब्लिकन गठबंधन के टूटने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

---

# व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी की रिश्तेदार हिरासत में, ब्राजील डिपोर्ट किया जा सकता है

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट के भतीजे की मां, ब्रूना कैरोलाइन फेरेरा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें जल्द ही ब्राजील वापस भेजा जा सकता है।

यह मामला तब सामने आया जब आईसीई अधिकारियों ने उन्हें मैसाचुसेट्स से पकड़कर लुइसियाना की एक डिटेंशन सेंटर में भेज दिया। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि ब्रूना एक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आई थीं, लेकिन उनका वीजा 1999 में खत्म हो गया था। उनका आरोप है कि ब्रूना ने वीजा की टाइम लिमिट पार कर दी और उन पर हमले के शक में कार्रवाई की गई है।

ब्रूना के वकील टॉड पोमरलीउ इन बातों से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ब्रूना पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। वे डीएसीए नाम के उस सरकारी प्रोग्राम के तहत कानूनी तौर पर अमेरिका में रह रही थीं, जो बच्चों के तौर पर आए लोगों को सुरक्षा देता है। वकील का यह भी कहना है कि ब्रूना ग्रीन कार्ड लेने की प्रोसेस में थीं और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लेने से उनका छोटा बच्चा भी उनसे अलग हो गया। ब्रूना के 11 साल के बेटे की परवरिश उसके पिता माइकल लेविट कर रहे हैं, जो कैरोलीन लेविट के भाई हैं। माइकल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता उनके बेटे की सुरक्षा और उसकी प्राइवेसी है। ट्रम्प प्रशासन ने इस साल से इमिग्रेशन कानूनों को बेहद सख्ती से लागू करना शुरू किया है। सरकार का कहना है कि जो भी लोग अमेरिका में बिना इजाजत के रह रहे हैं, उन्हें देश से निकाला जा सकता है।

**1998 में आई थीं अमेरिका, अब हटाए जाने की कार्यवाही जारी :** ब्रूना फरेइरा को 1998 में बचपन में ही अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता के मुताबिक, उन्होंने

1999 में अपने टूरिस्ट वीजा अवधि से ज्यादा ठहराव किया था और उन पर हमला करने का भी एक मामला दर्ज हुआ था। ष्ठ॥स् का कहना है कि इन्हीं आधारों पर वर्तमान में उन्हें निष्कासन की प्रक्रिया में रखा गया है।

बता दें कि डीएसीए यानी 'बचपन में आगमन के लिए विलंबित कार्रवाई' एक अमेरिकी आव्रजन नीति है जो 15 जून, 2012 तक कम से कम पांच साल के लिए बचपन में अमेरिका लाए गए कुछ अपात्र अप्रवासियों को निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा और काम करने की अनुमति देती है। यह कार्यक्रम दो साल के लिए वैध होता है और इसे रिन्यू किया जा सकता है।

**वकील का दावा:** ट्रंप प्रशासन की वजह से डीएसीए नवीनीकरण में बाधा उनके वकील पोमेरलो का कहना है कि फरेइरा पहले डीएसीए लाभार्थी थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यक्रम समाप्त करने की कोशिश के कारण उनका नवीनीकरण रुक गया। वकील के अनुसार, फरेइरा फिलहाल अपने लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने की वैध प्रक्रिया में थीं।

**परिवारिक पृष्ठभूमि: लेविट परिवार से पुराना संबंध :** सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फरेइरा ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के भाई माइकल लेविट की पूर्व मंगेतर हैं। दोनों का एक 11 वर्षीय बेटा है, जो वर्तमान में अपने पिता के साथ न्यू हैम्पशायर में रहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से आपस में संपर्क में नहीं हैं। फरेइरा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह अपने बेटे को लेने न्यू हैम्पशायर जा रही थीं। माइकल लेविट ने सीएनएन की सहयोगी संस्था डब्लयूएमयूआरसे कहा कि उनके बेटे ने मां से गिरफ्तारी के बाद बात नहीं की है और यह स्थिति बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान उनके बच्चे की भलाई पर है।

**डीएसीए सुरक्षा पर सरकार का रुख :** हाल ही में होमलैंड सिक्योरिटी की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने दोहराया कि डीएसीए लाभार्थियों को निर्वासन से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएसीए स्थायी कानूनी स्थिति नहीं देती बल्कि यह सिर्फ अस्थायी राहत है और इस दौरान भी प्रवर्तन की कार्रवाई संभव है।

# आरसीबी के बाद एक और आईपीएल फ्रेंचाइजी बिकने के लिए तैयार, वैल्यूएशन में उछाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग अपने इतिहास के सबसे बड़े ओनरशिप बदलाव का गवाह बन सकता है। लीग में शुक्रवार को उस समय खलबली मच गई, जब जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर दावा किया कि दो लोकप्रिय फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और राजस्थान रॉयल्स (RR) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि इन दावों पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने क्रिकेट जगत और निवेशकों के बीच बड़ी चर्चा छेड़ दी है। माना जा रहा है कि टीम मालिक मौजूदा ऊंची वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए फ्रेंचाइज़ी बेचने पर विचार कर रहे हैं।

### हर्ष गोयनका के दावे से तेज हुई अटकलें

हर्ष गोयनका ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि न सिर्फ एक, बल्कि दो IPL टीमें खरीददार तलाश रही हैं। उन्होंने संभावित नए मालिकों के तौर पर पुणे, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु और USA के ग्रुपों के शामिल होने की संभावना जताई। इस बयान ने आग में घी का काम किया और IPL की ओनरशिप स्ट्रक्चर पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

### राजस्थान रॉयल्स: क्या वाकई बिक्री की तैयारी में है फ्रेंचाइजी?

RR को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की ओनरशिप रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। इसके मेजॉरिटी शेयरहोल्डर मनोज बडाले हैं, जिन्हें रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स का मजबूत समर्थन प्राप्त है। ना फ्रैंचाइजी और ना ही ओनरशिप ग्रुप ने बिक्री पर कोई बयान जारी किया है। यानी RCB के विपरीत राजस्थान के मामले में दावे अब भी अफवाहों के दायरे में हैं। इसके बावजूद गोयनका के पोस्ट के बाद चर्चाएं काफी बढ़ गई हैं।

### RCB: सबसे पारदर्शी और पक्की बिक्री प्रक्रिया

RCB के मामले में तस्वीर काफी साफ है। टीम की पेरेंट कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (स्रु) ने 5 नवंबर 2025 को टीम पर अपने निवेश का स्ट्रेटेजिक रिव्यू घोषित किया। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा और इसमें तीन संभावनाएं हैं, टीम की पूरी बिक्री, आंशिक हिस्सेदारी बेचना और फ्रेंचाइजी का पूरा स्ट्रक्चर बदलना। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम मालिक डियाजियो RCB की वैल्यूएशन स्ष्ठ 2 बिलियन (लगभग रू.17,000-18,000 करोड़) के करीब आंक रहे हैं। अगर यह डील फाइनल होती है, तो RCB दुनिया की सबसे महंगी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में शामिल हो जाएगी।

### नए खरीददार कौन हो सकते हैं?

नए ओनर के संभावित नामों में कई हाई-प्रोफाइल इंडस्ट्री लीडर्स दिखाई दे रहे हैं। चर्चित नामों में अदार पूनावाला भी शामिल हैं, जिनकी रुचि इस बिक्री में बताई जा रही है। कई अन्य ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म्स भी इस रेस में उतर सकती हैं। एनालिस्ट्स की राय में RCB की बिक्री 2026 IPL सीजन से पहले भी पूरी हो सकती है।

### IPL पर पड़ सकता है बड़ा असर

अगर RCB और RR दोनों टीमों का मालिकाना हक बदलता है, तो IPL के इकोसिस्टम में बड़े बदलाव संभव हैं। नए मालिक फ्रेंचाइजी में ताज़ा निवेश ला सकते हैं। टीम मैनेजमेंट, रणनीतियों और खिलाड़ी खरीद के तरीके में बदलाव दिख सकता है। ब्रांड आइडेंटिटी और फैन कनेक्ट पर भी प्रभाव पड़ सकता है, खासकर RCB जैसी लोकप्रिय टीम में। इन संभावित बदलावों के कारण IPL का अगला चरण नए बिजनेस मॉडल, नई रणनीतियों और नई प्रतिस्पर्धा के साथ और भी रोमांचक हो सकता है।

# विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

**रांची (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी। ऐसें में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस याराने को खूब पसंद कर रहे हैं।

गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारुप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने आज से पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंच। लंबे समय बाद इन तीनो को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

# 2027 विश्वकप तक कोच बने रहेंगे गंभीर : बीसीसीआई

**मुम्बई (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद जहां प्रशंसकों और कई पूर्व क्रिकेटरों ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाने की मांग की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार करते हुए गंभीर पर भरोसा बनाये रखा है। बीसीसीआई के अनुसार अभी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और ऐसे में उन्हें अपने काम को करने दिया जाएगा।

गंभीर 2027 विश्वकप तक टीम के साथ बने रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान पिच, अंतिम ग्यारह और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी क्रम को को लेकर भी गंभीर की रणनीति पर सवाल उठे हैं। गंभीर की ही कोचिंग में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार अभी वह तीनों ही प्रारुपों में मुख्य कोच बने रहेंगे।

बीसीसीआई ने गंभीर को तीन साल के लिए भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। उनका कार्यकाल 2027 विश्व कप तक चलेगा। गंभीर के मार्गदर्शन में भले ही भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। मगर उनकी कोचिंग में ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत है।माना जा रहा है कि गंभीर के कोच रहते ही टीम टी20 में आक्रामक होकर उभरी है जिससे उसका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। रिपोर्ट में ये बातें भी सामने आई है कि गंभीर से होने वाली बैठक में टीम के प्रदर्शन को सुधारने को लेकर बात की जाएगी और जरूरी फैसले भी लिए जाएंगे।

# सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सुपर ओवर में हरियाणा ने पंजाब को हराया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कप्तान अंकित कुमार और निशांत सिंधु के अच्छे प्रदर्शन से हरियाणा ने शुक्रवार को हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप सी क्रिकेट मुकाबले में पंजाब को सुपर ओवर में हरा दिया। जिमखाना क्रिकेट मैदान में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 207 रन बनाए। शुरुआती विकेट गिरने के बाद अंकित ने निशांत के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 74 रन बनाकर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। अंकित ने 26 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 51 रन बनाये।

वहीं निशांत संधु ने यशवर्धन दलाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 62 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। निशांत ने 33 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 61 रन बनाये। यशवर्धन दलाल ने 27, जबकि सुमित कुमार ने 28 रन बनाये।

वहीं पंजाब की ओर से अश्विनी कुमार ने ने 3 विकेट जबकि अभिषेक शर्मा, रमनदीप सिंह, हरप्रीत बरार और मयंक मार्कंडेय ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम ने 20 ओवरों में ही 7 विकेट पर 207 रन बना दिये। शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाजों के विकेट खोने के बाद साहिल अरोड़ा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन बनाकर पारी को संभाला। साहिल ने 18 गेंदों में 11 रन बनाये



नवल वढेरा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन बनाकर टीम को 145 के स्कोर तक पहुंचाया। अनमोलप्रीत ने 37 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ सबसे अधिक 81 रन बनाये। इनके अलावा, सनवीर सिंह ने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए और टीम को और टीम को 207 रनों पर पहुंचा दिया और मैच बराबरी पर आया गया।

हरियाणा की ओर से अंशुल कंबाज, युजवेंद्र चहल और सामंत जाखड़ ने 2-2 विकेट लिए।।

इसके बाद सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। यहां पंजाब ने 3 गेंदों में दो विकेट खोकर एक रन बनाया। वहीं हरियाणा की टीम ने पहली गेंद पर ही चौके लगाकर मैच जीत लिया।

# क्या दूसरी शादी करने जा रहे चहल ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल लगता है दूसरी शादी करने जा रहे हैं। इसका अंदाजा चहल की उसे पोस्ट से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। चहल की पहली शादी साल 2020 में डांसर धनश्री वर्मा से हुई थी पर अब दोनो का तलाक हो गया है। दोनों की ये शादी ज्यादा दिन तक चल नहीं पाई और साल 2022 में ही दोनों अलग हो गये थे। वहीं मार्च 2025 में इनका तलाक हो गया। वहीं अब चहल ने सोशल मीडिया में तस्वीर पोस्ट कर बताया कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 卐शादी के लिए तैयार हूं, बस एक लड़की चाहिए।卐 उनकी इस पोस्ट से प्रशसंकों की धड़कन बढ़ गयी है। कुछ ने जश्न मनाया है जबकि कुछ उन्हें पुरानी बातें याद दिला रहे हैं इसके अलावा कुछ ने आरजे महवश को भी टैग किया है। वहीं धनश्री ने एक शो में बताया था कि उनकी शादी लव और अरेंज दोनों थी। पहले अरेंज मैरिज की तरह शुरू हुई थी। वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहता था और मैं शादी के बारे में सोच भी नहीं रही थी। लेकिन जब उससे मिली और उसने मुझे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तब मैं शादी के लिए मान गई थी।

# ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर जाहिर की खुशी




नई दिल्ली। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने भी भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को अपार गर्व से भर देता है।' भारत के गुजरात प्रांत का अहमदाबाद शहर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। हाल में ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) की आम बैठक में राष्ट्रमंडल के 74 सदस्य देशों ने इन खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के नाम पर आधिकारिक मुहर लगा दी। राष्ट्रमंडल खेलों की महासभा की बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने इन खेलों के लिये अहमदाबाद में मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

# राहुल की कप्तानी में अब एकदिवसीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेंगी भारतीय टीम

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम अब केएल राहुल की कप्तानी में 30 नवंबर से दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार से उबरना रहेगा। नियमित कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के कारण इस सीरीज में राहुल की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखना होगा। इस सीरीज में जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लेफ्ट-राइट मिश्रण, मध्यक्रम और गेंदबाज़ी ऑर्डर मिट्टी पर असर डाल सकते हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से भारतीय टीम को लाभ होगा हालांकि उसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों से सावधान रहना होगा।

वहीं टैम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम इस पकार है। पहला एकदिवसीय मैच- 30 नवंबर 2025, रांची में दोपहर 1~30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा एकदिवसीय मैच- 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में खेला जाएगा।तीसरा एकदिवीसय मुकाबला- 6 दिसंबरको विशाखापत्तनम में होगा। तीनों ही मैच दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से खेले जाएंगे

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**भारत :** केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा,ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

**दक्षिण अफ्रीका:** टैम्बा बावुमा (कप्तान), ओत्तनेल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवॉल्ड ब्रेविस, नांद्र बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को जैनसन, एडेन मार्करम, लुंगी ङ्गिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायेन।

# पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता के साथ शादी के बंधन में बंधे

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता शनमुगनाथन के साथ शादी के बंधन में बंध गये है। चेन्नई में पारंपरिक हिंदू रस्मों से ये शादी हुई। इसमें दोनो के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। दोनो की शादी की तस्वीरें सामने आते ही प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी है। संयुक्ता और अनिरुद्ध की शादी बेहद सादगी और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुई। इनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही तेज़ी से वायरल हो गईं, प्रशंसकों ने इन्हें ने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। इसके अलावा, दोनों ने एक विशेष वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें परिवार, उनके बेटे और करीबी दोस्तों के साथ बिताए भावुक और खुशियों भरे पल शामिल थे। संयुक्ता और अनिरुद्ध ने अपने रिश्ते की झलक पहली बार दिवाली के दौरान दी थी, जब उन्होंने एक साथ तस्वीर पोस्ट की थी। इस तस्वीर ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी और दोनों की संभावित सगाई और शादी को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थीं जो शादी से के साथ ही समाप्त हो गयीं।

# यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर डेविड बेकहम भारत की यात्रा पर, बच्चों से मिले

मुंबई । यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर सर डेविड बेकहम इस सप्ताह भारत की यात्रा के दौरान बच्चों और युवाओं से मिले और हर बच्चे के लिए समान अवसर, समावेशन और सशक्तिकरण की अपील की। बेकहम ने कहा, 'मैं आज मैं जिन बच्चों और युवाओं से मिला, उनके जोश, हिम्मत और जुनून को देखकर मैं बहुत खुश हूं। वे कम उम्र में ही बदलाव के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपने भविष्य पर अपनी बात रख रहे हैं। वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं और कई चुनौतियों को पार कर यहां तक पहुंचे हैं। उनका सफर हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों और युवाओं में इन्वेस्ट करते रहना चाहिए।' मुंबई के कूपरेज फुटबॉल ग्राउंड्स में बेकहम ने 12 वर्षीय खुशी और 10 वर्षीय रोहित से मुलाकात की, जिन्हें फुटबॉल ने अपनी ओर आकर्षित किया। फुटबॉल ने उन्हें जीवन कौशल सीखने, आत्मविश्वास, आनंद और अपनापन का अनुभव दिया। खुशी ने कहा, 'मैं हमेशा बहुत शांत और अलग-थलग रहती थी। फुटबॉल खेलने से मुझे खुलने और बेहतर संवाद करने में मदद मिली। मैंने दूसरों के साथ बातचीत करना और निर्णय लेना सीखा।' बेकहम ने यूनिसेफ के सपोर्ट वाले एक प्रोजेक्ट के छोटे बच्चों से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य मुंबई को रहने और खेलने के लिए बेहतर स्थान बनाना है, जहां हर नागरिक अपने समुदाय का समर्थन करने के लिए एकजुट होता है। 9 साल के तीर्थ, जो वेस्ट कम्पोस्ट चैंपियन हैं, ने कहा, 'जब मैंने देखा कि हमारे स्कूल का कचरा कम्पोस्ट में बदल रहा है और पौधों को बढ़ने में मदद कर रहा है – तो मुझे एहसास हुआ कि हम सिर्फ सफाई नहीं कर रहे हैं; हम धरती को वापस जीवन दे रहे हैं।' यूनिसेफ इंडिया प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, 'पिछले 20 सालों से यूनिसेफ के गुडविल एंबेसडर के तौर पर, सर डेविड बेकहम ने लगातार दुनिया के बच्चों और उनके सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया है। वह भारत और दुनिया भर के बच्चों के लिए एक प्रेरणा हैं और उनकी सराहना उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

# सैंटियागो नीवा बने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के नये मुख्य कोच, 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करेंगे टीम

नई दिल्ली । स्वीडन के सैंटियागो नीवा भारतीय महिला मुक्केबाज टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने नीवा को मुख्य कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा है कि उनके आने से मुक्केबाजी टीम और बेहतर होगी। नीवा साल 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी रहे हैं। इस दौरान उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। नीवा के ही मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने 2019 विश्वकचैंपियनशिप में पदक जीते थे। तब अमित पंघाल ने रजत जबकि मनीष कौशिक ने कांस्य पदक जीता था। इसके बाद भारतीय टीम ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में सबसे बड़ी टीम उतारी। इसमें लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य पदक जीता। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक को देखते हुए नीवा का लक्ष्य सभी वजन वर्ग में भारतीय महिला खिलाड़ियों को बेहतर बनाना रहेगा। नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा का कोचिंग अनुभव है, उन्होंने विश्व मुक्केबाजी में काफी अच्छी भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित विश्व कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। इस मौके पर नीवा ने कहा, मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं। मेरे पिछले कार्यकाल के पांच साल बहुत शानदार रहे हैं। मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल करेंगे। भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है। ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे।

# टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराना मेरे करियर का सबसे गर्व का पल था: बाबर आजम

**लाहौर (एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार उपलब्धि का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कप्तान के तौर पर भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 में मिली ऐतिहासिक जीत उनके पेशेवर सफर का सबसे गर्व भरा पल है। यह वही मुकाबला था जिसने पाकिस्तान के विश्व कप इतिहास में पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस यादगार मैच ने न केवल बाबर के नेतृत्व को नई पहचान दी, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट की मनोवैज्ञानिक बाधा भी तोड़ी।

### भारत के खिलाफ पहली वर्ल्ड कप जीत

बाबर आज़म ने केविन पीटरसन के YouTube शो द स्विच पर बातचीत में बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप की वह रात उनके करियर का निर्णायक पल थी। इससे पहले पाकिस्तान 12 वर्ल्ड कप मैचों में भारत को कभी नहीं हरा पाया था। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात देकर नया इतिहास रचा। बाबर ने कहा कि कप्तान के रूप में भारत को हराना उनके लिए किसी भी ट्रॉफी जितने सम्मान का एहसास था।

### बाबर और रिज़वान की रिकॉर्ड साझेदारी

टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाज़ी के दम पर भारत को 151 रन पर रोक दिया। विराट कोहली की फिफ्टी के अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर नहीं कर पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की ओपनिंग जोड़ी मोहम्मद रिज़वान (79*) और बाबर आज़म (68*) ने बिना विकेट खोए मैच खत्म कर दिया। यह जीत सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए मनोबल बढ़ाने वाला मोमेंट था।

### बाबर की करियर-डिफाइनिंग इनिंग्स

बाबर ने अपनी कुछ खास इनिंग्स का भी जक्रि किया। उनके अनुसार, दक्षिण अफ्रीका दौरा उनके क्रिकेटिंग माइंडसेट के लिए टर्निंग पॉइंट था, जहाँ उन्होंने डेल स्टेन और कागिसो रबाडा की आक्रमक गेंदबाज़ी के खिलाफ महत्वपूर्ण पारियाँ खेलीं।2019 वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनकी मैच-विनिंग इनिंग को वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक मानते हैं।

### कप्तानी छूटने के बाद बाबर का नया लक्ष्य

2023 ODI वर्ल्ड कप और 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर को कप्तानी से हटाया गया। हालांकि हाल ही में टीम में वापसी के बाद बाबर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य पाकिस्तान को ICC खिताब दिलाना है। उन्होंने बताया कि वे फिटनेस और स्किल्स पर पहले से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं ताकि देश के लंबे इंतजार को खत्म किया जा सके।



### ICC ट्रॉफी जीतना है सबसे बड़ा सपना

बाबर का मानना है कि पाकिस्तान काफी करीब आ चुका है और सही तैयारी तथा फोकस के साथ टीम बड़े टूर्नामेंट जीत सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान ICC ट्रॉफी उठाए। इसके लिए मैं खुद को और बेहतर बनाने में जुटा हूं।'

## महिला-प्रधान फिल्म होगी
### कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म लोका ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे माया, मानगरम, मॉन्स्टर, तानक्करन, इरुगापत्रु और ब्लैक जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी। कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और नान महान अल्ला फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

## नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

### सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से जाने जाते हैं।

### विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं। सोनाली लिखती हैं, मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है।

### सोनाली बेंद्रे का फिल्मी करियर

सोनाली बेंद्रे का कहना है, मैं हमेशा अपनी यात्रा ईमानदारी और विनम्रता के साथ शेयर करूंगी। कभी किसी नुस्खे के तौर पर नहीं, बल्कि अपने अनुभव के तौर पर। बता दें कि सोनाली मेटास्टेटिक कैंसर के खिलाफ जंग लड़ चुकी हैं। अभिनेत्री के करियर की बात करें तो उन्होंने आग (1994) से डेब्यू किया था। वे सरफरोश (1999), हम साथ-साथ हैं (1999), हमारा दिल आपके पास है (2000), लज्जा (2001) और कल हो ना हो (2003) जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

## शाहरुख की फिल्म 'किंग' में अक्षय ओबेरॉय की हुई एंट्री

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है। फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे बड़े नाम भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## मल्टीस्टारर धुरंधर में अहम किरदार में नजर आएंगी गीतिका गंजू

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक्ट्रेस गीतिका गंजू अहम किरदार में नजर आएंगी। गीतिका का मानना है कि धुरंधर एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक काफी पसंद करेंगे। गीतिका गंजू का मानना है कि बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जो कहानी कहने का तरीका बदल देती हैं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल होती हैं। धुरंधर भी ऐसी ही फिल्म है। एक्ट्रेस गीतिका ने को-एक्टर रणवीर सिंह, संजय दत, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम करने को शानदार बताया। एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर एक जबरदस्त फिल्म बनने के साथ सिनेमाघरों में छाने को तैयार है। भारत में इस जॉनर को शायद पहले कभी इतनी सच्चाई और स्टाइल के साथ नहीं दिखाया गया। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। फिल्म की तारीफ करते हुए गीतिका ने स्पष्ट कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसी फिल्म आती है, जो कहानी कहने का तरीका बदल देती है, धुरंधर वैसी ही फिल्म है। गीतिका ने बताया, आदित्य धर और लोकेश धर ने फिल्म के लिए खूब मेहनत की है, जिसका नतीजा स्क्रीन पर दिखेगा। आदित्य धर ने कहानी को बेहद बोल्ड और रियल तरीके से पेश किया है। गीतिका ने आगे कहा कि फिल्म का हर एक एक्टर खास है। राकेश बेदी, रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ काम करना उनके लिए यादगार रहा। रणवीर सिंह को एक्शन में देखने का अनुभव शानदार रहा। गीतिका गंजू ने अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाल सिंह चड्ढा', 'म्यूजिक मेरी जान', 'आर्या सीजन 2' और 'तनाव सीजन 2' जैसे सफल प्रोजेक्ट में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

## रणवीर सिंह से लेकर संजय दत्त तक
### खलनायक के रूप में नजर आए ये बड़े स्टार्स

**बॉलीवुड के कई मशहूर अभिनेताओं ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है। अपकमिंग फिल्म धुरंधर में अर्जुन रामपाल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। इससे पहले भी कई अभिनेताओं ने फिल्मों में पारंपरिक खलनायक से अलग लुक रखा और अभिनय किया। दर्शकों ने इन्हें खूब पसंद किया। कई विलेन ऐसे रहे जो नायकों पर भारी पड़े और उनकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली।**

फिल्म सिंघम अगेन (2024) में **अर्जुन कपूर** ने डेंजर लंका का नेगेटिव किरदार निभाया है। उनका किरदार एक चालाक और तेज दिमाग वाला है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और कई कलाकारों ने अभिनय किया लेकिन अर्जुन कपूर के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म शैतान (2024) में

**आर माधवन** ने वनराज कश्यप का नेगेटिव किरदार निभाया। यह फिल्म गुजराती फिल्म वश पर आधारित थी। इसमें दिखाया गया है कि एक अजनबी एक लड़की को वश में करने के लिए काले जादू का इस्तेमाल करता है। इसमें आर माधवन के किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म एनिमल को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसमें **रणबीर कपूर** के किरदार के अलावा बॉबी देओल के नेगेटिव किरदार अबरार अहमद को पसंद किया गया। फिल्म में उनके कम संवाद, चमकीली आंखें और शांत गुस्से ने दर्शकों को हैरान कर दिया था। विलेन के रूप में बॉबी देओल को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म पद्मावत (2018) में **रणवीर सिंह** ने विलेन अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाया। इस फिल्म में नायक से ज्यादा खलनायक को दमदार दिखाया गया। अलाउद्दीन खिलजी का किरदार बेरहम, जुनूनी और डरावना था। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म अग्निपथ में **संजय दत्त** ने विलेन का किरदार निभाया। कानों में कुंडल और बिना बालों के संजय दत्त के लुक को काफी पसंद किया गया। फिल्म में वह ड्रग डीलर बने हैं। ऋतिक रोशन के अपोजिट संजय दत्त ने एक डरावना लेकिन आकर्षक अभिनय किया।

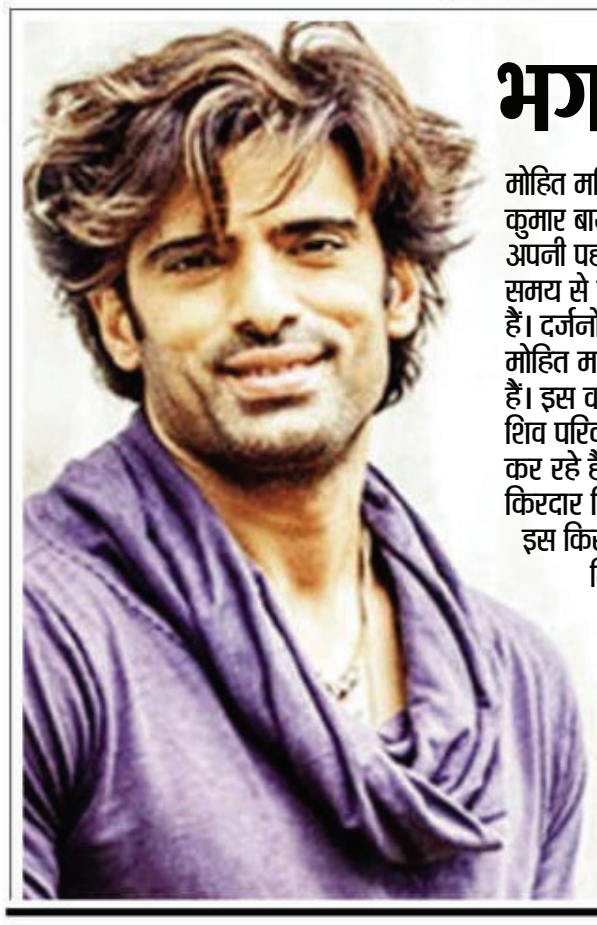

## भगवान शिव का किरदार निभाने को लेकर बोले मोहित मलिक

**मोहित मलिक ने डोली अरमानों की और कुल्फी कुमार बाजेवाला जैसे टीवी शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। वह दो दशक से भी ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। दर्जनों टीवी शोज और वेब सीरीज कर चुके मोहित मलिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस वक्त वह माइथोलॉजिकल शो महागाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में काम कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। मोहित मलिक ने अपने इस किरदार के अलावा 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी बहस पर बात की।**

मोहित मलिक पहली बार माइथोलॉजिकल शो में काम कर रहे हैं। वह गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। इस शो में काम करने की वजह पर वह कहते हैं, इस शो मेकर्स का नजरिया अलग था। उन्होंने मुझे कंवींस किया कि वह इसका प्रेजेंटेशन वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने मुझे बताया है। फिर इसमें शिव का रूप भी एकदम अलग है। वह उस तरह का टिपिकल नहीं है जैसा लोग अब तक देखते आए हैं। शिव और उनके परिवार को इंसानी रूप में दिखाया गया है। बकौल मोहित, शिव के आशुतोष रूप का प्रभाव मेरे ऊपर सबसे ज्यादा पड़ा है क्योंकि वह बहुत भोला है, दयालु हैं और सबको जल्दी से माफ कर देते हैं। मैं उनसे सबसे ज्यादा कनेक्ट करता हूं।

### AI का एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर कैसा रहेगा प्रभाव?

मोहित ने इस दौरान मनोरंजन जगत में AI पर भी बात की। जब हमने पूछा कि AI एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किस तरह प्रभावित करेगा? तो मोहित ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि कभी पूरी तरह AI से फिल्में और शोज़ बनेंगे। हालांकि यह बहुत अच्छी तकनीक है लेकिन उसे एक सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी AI बेस्ड महाभारत देखूंगा क्योंकि मुझे असली परफॉर्मेंस, असली लोग, असली इमोशंस चाहिए। ऑडियंस भी एक्टर से कनेक्ट होती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कभी पूरे AI बेस्ड शो बनेंगे।

### पैसे को लेकर आपका पहला सबक क्या है?

मेरी जिंदगी में पैसा कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। मैं हमेशा से अच्छा काम करना चाहता था। बस इतना था कि मैं अपना घर खरीद लूं और गाड़ी ले लूं। लेकिन अब लगता है कि थोड़ा सा बैलेंस होना चाहिए क्योंकि अब मेरे पास परिवार है। जैसे पहले मैं रोल को तवज्जो देता था और सोचता था कि उसके लिए पैसों से समझौता कर लूंगा। लेकिन अब मैं पैसों को लेकर समझौता नहीं करता। अब मैं जो डिजर्व करता हूं, वह मांगता हूं और वह मिल भी रहा है।

### 8 घंटे नहीं 12 घंटे की वर्किंग शिफ्ट ठीक

मोहित मलिक ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर कहा, हमारे यहां आमतौर पर 12 घंटे की शिफ्ट होती है और मुझे उससे कोई समस्या नहीं है। जो लोग यह कहते हैं कि बस आठ घंटे की वर्क शिफ्ट होनी चाहिए, तो यार आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के बारे में भी तो सोचो। एक एक्टर सेट पर आता है, फिर एक घंटा वह मेकअप करवाता है। तो आठ घंटे में कितना ही काम होगा। मुझे 12 घंटे ठीक लगते हैं। मैं उससे ज्यादा शूटिंग नहीं करता। हां, ये जरूर है कि शूटिंग के घंटे 14 नहीं होने चाहिए। 14 घंटे आप बतौर एक्टर काम कर भी नहीं सकते। 12 घंटे से ज्यादा काम करना आसान नहीं होता। मगर आठ घंटे से प्रोड्यूसर का बहुत नुकसान होगा।

### आपकी पहली कमाई क्या थी?

मेरी पहली कमाई दिल्ली में थी और उससे मैंने कुछ खरीदा नहीं था। मैंने अपनी दादीजी को जाकर चेक दे दिया था। उसके बाद तो मैंने शुरू में कपड़े खरीदना और जो लड़कों के शौक होते हैं, वह पूरे किए थे।

### आपका सेविंग मंत्र क्या है?

सेविंग मंत्र है कि लगभग 30-40 फीसदी कमाई में से बचाना होता है। ज़ाहिर है कि सेविंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि हम जिस ऐक्टिंग की इंडस्ट्री में हैं, वह बहुत ही अनिश्चित है। हालांकि हम देखते हैं कि हमारा मासिक खर्च कितना है और हम कितना बचा सकते हैं।
आपने अब तक सबसे महंगा खर्च क्या किया है?
सबसे महंगा तो मैंने अपना घर ही लिया है मुंबई में।

### आपका रिटायरमेंट प्लान क्या है?

मैंने उसे लेकर कोई प्लान नहीं बनाया है। इसलिए चाहता हूं कि जब तक जिंदा रहूं, एक्टिंग करता रहूं।
आप युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगे?
पैसे की सेविंग बहुत जरूरी है। और उसी के साथ जिंदगी एंजॉय करनी भी जरूरी है। सिर्फ सेविंग के चक्कर में आज की जिंदगी मत गंवाओ। तो जितना कमा रहे हो, उसमें से थोड़ा एंजॉय करने के लिए खर्च करो। मगर पूरा मत खर्च करो। थोड़ा सेविंग भी करो।

## संक्षिप्त समाचार

### दिल्ली में सुबह-सुबह एनकाउंटर, भाऊ गैंग के बड़े बदमाश ने खाई गोली

**नई दिल्ली, एजेंसी।** द्वारका जिला पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल लंबे समय से फरार चल रहे हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर को गुरुवार सुबह एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने भागने के दौरान पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने आरोपी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। आरोपी 25 वर्षीय अंकित पर पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। दिल्ली पुलिस के अलावा उसे हरियाण पुलिस भी लंबे समय से तलाश रही थी। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 28 अक्टूबर को नजफगढ़ इलाके में हुई गैंगवार के दौरान हिमांशु भाऊ गैंग के शूटरों ने रोहित लांबा पर फायरिंग की गई थी। रोहित इस फायरिंग में बच गया था। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू की और चार आरोपियों को दबोच लिया। लेकिन मामले में शामिल दोनों शूटर अंकित और दीपक फरार हो गए थे। पुलिस ने दोनों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि शूटर अंकित नजफगढ़ स्थित साई बाबा मंदिर के पास आने वाला है। पुलिस ने यूईआर-2 के पास ट्रैप लगाया और अंकित का इंतजार शुरू किया। सुबह करीब 8.05 बजे अंकित बाइक से वहां पहुंचा। अंकित को देखकर पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने बाइक से भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपी की एक गोली हेडकांस्टेबल कुलदीप को लगी। लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के चलते वह बच गए। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें अंकित के दाहिने पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल अंकित को पकड़ लिया औीर नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया। पुलिस ने उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को 2020 में पुलिस कांस्टेबल को गोली मारने के आरोप में लंबे समय से हरियाणा पुलिस भी तलाश कर रही थी।

### बढ़ गई रोशनआरा क्लब की मेंबरशिप पाने की तारीख

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर आपने अभी तक दिल्ली के रोशनआरा क्लब की सदस्यता नहीं ली है, तो ये खबर आपके लिए है। डीडीए ने रोशनआरा क्लब की लाइफटाइम सदस्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी है। सारे आवेदन ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकारे जाएंगे। सरकारी कैटेगरी की 350 और गैर सरकारी कोटे की 400 सीटें होंगी। यदि आवेदनों की संख्या सीटों की संख्या से अधिक होती है, तो चयन कंप्यूटरीकृत ड्रॉ ऑफ लॉट्स के माध्यम से किया जाएगा। रोशआरा की सदस्यता के लिए आवेदन शुल्क भी तय हैं। आवेदक को भारतीय नागरिक होने के साथ उम्र 21 साल से ऊपर होनी चाहिए और अप्लीकेशन की रकम 2500 रुपये है। इसके अलावा गैर सरकारी लोगों के लिए मेंबरशिप शुल्क 12.5 लाख और सरकारी लोगों के लिए 4 लाख रुपये है। इसमें जीएसटी की रकम अलग से जोड़ी जाएगी। डीडीए अधिकारी ने कहा, यह विस्तार उन इच्छुक सदस्यों को एक अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से है जो व्यक्तिगत या लॉजिस्टिक्स कारणों से पहले अपना आवेदन पूरा नहीं कर पाए थे। साथ ही यह ऐतिहासिक खेल और सामाजिक संस्थान तक व्यापक सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करेगा। यूरोपीय शैली के दरवाजो और खिड़कियां, मैंगलोर टाइल वाली छत और जटिल लकड़ी के ट्रस शामिल हैं।

# ऐसा क्या आदेश दें कि तुरंत साफ हो जाए हवा

## जादू की छड़ी नहीं; दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट





**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के आते ही हवा का हाल ऐसा हो जाता है मानो पूरा इलाका जहरीली धुंध के घेरे में कैद हो जाता हो। इस गंभीर समस्या पर अब सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कदम उठाने का संकेत दिया है। अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती हवा की गुणवत्ता से जुड़ी एक याचिका पर 3 दिसंबर को सुनवाई करने का फैसला किया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस संकट को लगातार निगरानी की जरूरत है।सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस ज्योमलया बागची की बेंच ने वायु प्रदूषण से जुड़े मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सहायता दे रही वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह की दलीलों पर विचार किया। उन्होंने अदालत को बताया कि दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसे हेल्थ इमरजेंसी के रूप में देखा जाना चाहिए। सीजेआई ने इस संकट की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा, अदालत के पास कोई जादुई छड़ी तो नहीं है। हम सभी जानते हैं कि यह स्थिति दिल्ली-एनसीआर के लिए कितनी खतरनाक है। समस्या यह है कि इसके कारणों और समाधानों की पहचान करनी होगी। समाधान तो क्षेत्र के विशेषज्ञ ही बता सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दीर्घकालिक उपाय ढूंढना आवश्यक है। सीजेआई कांत ने कहा, मुझे बताएं कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं कि हम कुछ निर्देश दे सकें और तुरंत साफ हवा मिल सके। हम सभी जानते हैं कि समस्या क्या है। हमें सभी कारणों की पहचान करने की जरूरत है। कोई एक कारण नहीं है। ऐसा सोचना एक बड़ी गलती हो सकती है। केवल डोमेन एक्सपर्ट और साइंटिस्ट ही इस पर गौर कर सकते हैं। फिर हमें देखना होगा कि हर क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने कमेटी के तौर पर क्या बनाया है।

### तात्कालिक निर्देशों से आगे बढ़ने की जरूरत

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल कुछ अस्थायी निर्देश जारी करने से हवा तुरंत शुद्ध नहीं हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग-अलग समाधानों पर विचार करना होगा और इसके लिए सरकार द्वारा गठित समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले को केवल दिवाली के मौसम तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे नियमित रूप से निगरानी में रखा जाए।

इससे पहले 19 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को निर्देश दिया था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में नवंबर-दिसंबर के दौरान निर्धारित खुले खेल आयोजनों को अधिक सुरक्षित महीनों में स्थगित करने पर विचार करे। अदालत ने ग्रैप के तहत साल भर सख्त पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट का मानना है कि आपातकालीन उपायों के बजाय लंबे समय तक चलने वाले और टिकाऊ समाधानों पर ध्यान देना जरूरी है। इस प्रकार, सुप्रीम कोर्ट ने जहरीली हवा के इस जटिल संकट को केवल मौसमी समस्या के रूप में न देखते हुए निरंतर निगरानी और एक्सपर्ट के सहयोग से स्थायी समाधानों की दिशा में कदम बढ़ाने पर बल दिया है। 3 दिसंबर को होने वाली सुनवाई में इस दिशा में आगे की रणनीति पर विचार होने की उम्मीद है।

# पेपर स्प्रे फेंकने वालों को थाने में पीट रही है दिल्ली पुलिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अरिदमन सिंह चीमा की कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली पुलिस की अर्जी पर यह आदेश दिया। पुलिस ने सात दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने केवल तीन दिनों की अनुमति दी। आरोपियों की जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई होगी। कर्तव्य पथ से गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को दो दिन की न्यायिक हिरासत के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त दीपक पुरोहित और डीसीपी देवेश महला महला अदालत में मौजूद रहे। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया कि नौ नवंबर को आरोपियों ने इंडिया गेट के पास सड़क जाम की और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कम से कम 10 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने यह भी दावा किया कि तीन आरोपियों अक्षय, आकाश और एक अन्य से तीन कैन पेपर स्प्रे बरामद किए गए हैं। साथ ही, आरोप है कि ये लोग प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़े माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगा रहे थे और लाल सलाम के नारे भी लगाए गए। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए एफएसएल भेजने की बात कही है। आरोपियों की ओर से पेश वकीलों ने पुलिस पर हिरासत में प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया। दो आरोपियों के वकील ने कहा कि उन्हें हिरासत में पीटा गया और उनके शरीर पर चोटों के निशान हैं। वकीलों ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग भी की।

# इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव

## सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

**तेल अवीव, एजेंसी।**
इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने कहा है कि वे इस बल के लिए 20 हजार शांति सैनिक भेजने की योजना बना रहे हैं। इस योजना के लगभग हर हिस्से और इसे लागू करने के समय को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस बीच, लगभग सभी फलस्तीनी अपने घरों से विस्थापित हैं और मानवीय मदद पर निर्भर हैं। हमास अभी भी गाजा के लगभग आधे हिस्से पर बड़ा नियंत्रण रखता है और गाजा के पुनर्निर्माण की शुरुआत भी मुश्किल से हुई है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल की ओर से लौटाए गए 345 शवों में से केवल 99 की पहचान हो सकी है। उनका कहना है कि गाजा में डीएनए परीक्षण किट की कमी के कारण पहचान की प्रक्रिया बेहद मुश्किल है।

# ट्रंप का ताइवान मुद्दे पर जापान को कड़ा संदेश, 'मत लो चीन से पंगा...स्थिति और न बिगाड़ो'!

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान की पीएम साने ताकाइची को चीन के साथ बढ़ते तनाव पर बड़ा संदेश दिया है। ट्रंप ने फोन पर ताकाइची से कहा कि ताइवान को लेकर टकराव बढ़ाने से बचें, क्योंकि यह एशिया में नई अस्थिरता को जन्म दे सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची से फोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने ताइवान को लेकर चीन के साथ बढ़ते तनाव को संभलकर हैंडल करने की सलाह दी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल और क्योदो न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने ताकाइची से कहा कि उनके बयान से पहले ही टोक्यो-बीजिंग रिश्तों में तनाव बढ़ चुका है, इसलिए उन्हें अधिक उग्र बयानबाजी से बचना चाहिए। यह चर्चा उस समय हुई जब ताकाइची ने जापानी संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो यह जापान के लिए अस्तित्व संकट बन सकता है। चीन ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी।सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने ताकाइची पर दबाव नहीं डाला, लेकिन सुझाव दिया कि वे अपने बयान का टोन थोड़ा हल्का करें, क्योंकि वे घरेलू राजनीति को देखते हुए इसे पूरी तरह वापस नहीं ले सकतीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जापानी अधिकारियों ने ट्रंप की सलाह को इस संकेत के रूप में देखा कि वे नहीं चाहते कि ताइवान मुद्दा उनकी हालिया चीन के साथ नरमी को खराब करे-विशेष रूप से उस समय जब चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने का वादा किया है। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि उनकी ताकाइची से बहुत अच्छी बातचीत हुई है और वे मानते हैं कि जापान और चीन दोनों ठीक हैं। उनकी यह कॉल ताइवान पर बयान के तुरंत बाद आई थी, और उससे कुछ ही पहले वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी बात कर चुके थे।

## अगले साल जी-20 सम्मेलन में नहीं दूंगा न्योता

**वाशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगले साल फ्लोरिडा में होने वाले त्र20 समिट में साउथ अफ्रीका को हिस्सा लेने के लिए नहीं बुलाया जाएगा। दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिका ने साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में लीडर्स समिट का बॉयकॉट किया था। इस बॉयकॉट को अफ्रीकी देश ने अपने खिलाफ सजा देने वाला कदम बताया था। बता दें कि जी-20 नेताओं ने शनिवार को अमेरिका के एतराज के बावजूद जलवायु संकट और दूसरी ग्लोबल चुनौतियों से निपटने के लिए एक घोषणा की। इस घोषणा के बाद अमेरिका ने साउथ अफ्रीका पर इस साल ग्रुप की लीडरशिप को हथियार बनाने का आरोप लगाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि जी-20 के खत्म होने पर साउथ अफ्रीका ने जी-20 प्रेसीडेंसी हमारे यूएस एम्बेसी के एक सीनियर रिप्रेजेंटेटिव को देने से मना कर दिया, जो क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल हुए थे। इसलिए मेरे कहने पर साउथ अफ्रीका को 2026 जी-20 का निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसे अगले साल फ्लोरिडा के ग्रेट सिटी मियामी में होस्ट किया जाएगा। डोनल्ड ट्रंप के इस पोस्ट को साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के कार्यालय ने अफसोसजनक करार दिया है। सम्मेलन में अमेरिका का डेलीगेशन मौजूद नहीं था, इसलिए जी20 प्रेसीडेंसी के इंस्ट्रुमेंट साउथ अफ्रीका के डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन के हेडक्वार्टर में यूएस एम्बेसी के एक अधिकारी को सौंप दिए गए थे।

# पहले मौत की सजा, अब भ्रष्टाचार मामले में 21 साल की जेल



**ढाका, एजेंसी।**
बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक कोर्ट ने पदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के आरोप में 21 साल जेल की सजा सुनाई है। शेख हसीना को यह सजा ऐसे समय पर सुनाई गई, जब इससे पहले आईसीटी ने उन्हें मौत की सजा सुना चुका है।

दरअसल, ढाका के स्पेशल जज 5 मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने शेख हसीना को तीन प्लॉट फ्रॉड केस में 7-7 साल की सजा सुनाई है।

बता दें कि बांग्लादेश के एंटी-करप्शन कमीशन ने पिछले जनवरी में शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ढाका के पुरबाचल इलाके में कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से सरकार प्लॉट बांटने के लिए छह अलग-अलग मामला दर्ज कराए थे। बाकी तीन मामलों में फैसला 1 दिसंबर को सुनाया जाएगा। कोर्ट ने शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय को पांच साल जेल और 100,000 ञ्चद्म का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल को पांच साल की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने जुलाई 2024 में सरकार के विरुद्ध प्रदर्शनों को दबाने की शेख हसीना की कोशिशों के लिए उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी माना और हसीना को मौत की सजा सुनाई।

इस दौरान शेख हसीना और उनके परिवार के पास इन मामलों में कोई वकील नहीं था। हालांकि, उन्होंने अलग-अलग भाषणों और बयानों में किसी भी भ्रष्टाचार के आरोपों में शामिल होने से इनकार किया है।

इन सब के बीच बुधवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार अभी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के उन अनुरोध की जांच कर रही है, जिसमें पूर्व बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली को इस मामले पर ढाका से औपचारिक रूप से जानकारी मिली है।

# शाहीन मुजम्मिल की पत्नी है, मस्जिद में किया निकाह... दिल्ली ब्लास्ट में नया खुलासा



**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली के लालकिला के पास हुए बम विस्फोट की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। गिरफ्तार संदिग्ध मुजम्मिल अहमद गनई ने जांच एजेंसियों को बताया कि सहआरोपी शाहीन शाहिद उसकी पत्नी है, न कि महज प्रेमिका, जैसा पहले समझा जा रहा था। इस दावे ने न केवल मामले के मानवीय पहलू को उजागर किया है, बल्कि शाहीन द्वारा दिए गए भारी-भरकम फंडिंग के पीछे की वजह को भी स्पष्ट करने का प्रयास किया है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुजम्मिल ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि सितंबर 2023 में अल-फलाह विश्वविद्यालय के निकट एक मस्जिद में शाहीन के साथ उसका निकाह हुआ था। इस निकाह में शरिया कानून के अनुसार महर की राशि 5,000 से 6,000 रुपये निर्धारित की गई थी। इस वैवाहिक संबंध का दावा मामले के उस पहलू को समझाने में महत्वपूर्ण हो सकता है, जिसमें शाहीन ने मुजम्मिल को भारी मात्रा में धन उपलब्ध कराया। जांच के अनुसार, शाहीन ने वर्ष 2023 में मुजम्मिल को हथियार खरीदने के लिए करीब 6.5 लाख रुपये दिए, जबकि 2024 में उमर को फोर्ड इकोस्पोर्ट कार खरीदने के लिए 3 लाख रुपये का लोन दिया।

# दिल्ली में अपने घर का सपना होगा पूरा!

## डीडीए जल्द लॉन्च करेगी कर्मयोगी आवास योजना; जानें खासियत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सरकारी कर्मचारियों के लिए एक विशेष आवास योजना लेकर आ रहा है, जिसका नाम है कर्मयोगी आवास योजना। इस योजना के तहत नरेला में करीब 3,500 फ्लैट्स उपलब्ध कराए जाएंगे। यह योजना न केवल किफायती आवास प्रदान करेगी, बल्कि दिल्ली के बाहरी इलाकों में सुनियोजित और सुरक्षित आवासीय कॉलोनियों का निर्माण भी सुनिश्चित करेगी। पंजीकरण प्रक्रिया दिसंबर के मध्य में शुरू होने की संभावना है।

यह योजना विशेष रूप से केंद्र और राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अस्पतालों तथा अन्य सरकारी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए तैयार की गई है। केवल इन क्षेत्रों में कार्यरत योग्य कर्मचारी ही इसके लिए आवेदन कर सकेंगे।

योजना का मुख्य लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत और व्यवस्थित आवासीय समुदाय बनाना है, जहां वे एक ही परिसर में रह सकें। योजना को और आकर्षक बनाने के लिए फ्लैट्स की कीमत पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। फ्लैट्स नरेला के सेक्टर ए1 से ए4 के तीन पॉकेट्स में स्थित होंगे और ये सभी गेटेड सोसाइटियों के रूप में विकसित किए गए हैं। नरेला, जो दिल्ली मास्टर प्लान में भविष्य के शहरी विस्तार का प्रमुख केंद्र माना गया है, इस योजना के लिए एक आदर्श स्थान है। योजना तीन चरणों में फ्लैट्स की पेशकश करेगी। इनमें उच्च आय वर्ग (एचआईजी), मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आवास शामिल हैं इन सभी फ्लैट्स का निर्माण हाल ही में पूरा हो चुका है। डीडीए वर्तमान में पंजीकरण प्रक्रिया, ब्रोशर और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली को अंतिम रूप दे रहा है। यह योजना नरेला के समग्र विकास का हिस्सा है। यहां मेट्रो और बस सेवाओं के माध्यम से राजधानी के अन्य हिस्सों से बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com